www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 96.400g
चांदी 91.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 सिमटते आधार से घबराए माओवादी, परंतु हथियार छोड़ने पर सहमति नहीं

एक साल की बेटी के साथ पत्नी को निकाला 04

वर्ष :08 | अंक :293 | मुंबई ,मंगलवार , 15 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बीजापुर में फिट किए थे पांच आईईडी, सुरक्षाबलों ने नक्सलियों का प्लान कर दिया फेल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पांच इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए गए, जिनके बारे में संदेह है कि इन्हें नक्सलियों ने सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए लगाया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आईईडी मनकेली गांव के पास कच्चे रास्ते पर मिले। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में वर्चस्व और बारूदी सुरंगों को हटाने के अभियान के दौरान आईईडी का पता लगाया। उन्होंने बताया कि तीन आईईडी, जिनका वजन 2 किलो था, बीयर की बोतलों में भरे हुए थे, जबकि दो डिवाइस, जिनका वजन 3 से 5 किलो था, स्टील के टिफिन बॉक्स में भरे हुए थे। आईईडी में कमांड स्विच मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया था, जिसे धरती के नीचे 3 मीटर से 5 मीटर की दूरी पर एक श्रृंखला में रखा गया था। इसे सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लगाया गया था।

बेंगलुरु में बारिश वाला होगा सप्ताह, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

बेंगलुरु और कर्नाटक के कई अन्य हिस्सों में सप्ताह की शुरूआत बारिश के साथ होने की संभावना है, तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार और मंगलवार को कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, राज्य भर में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसमी गतिविधि का कारण ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण को माना जा रहा है जो आंध्र प्रदेश के तटीय मध्य क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में समुद्रतल से लगभग 0.9 किमी ऊपर स्थित है। परिणामस्वरूप, सोमवार को 18 जिलों के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया हैजिसमें रायचूर, कोप्पल, गडग, धारवाड़, हावेरी, दावणगेरे, शिवमोग्गा, चित्रदुर्ग, चिक्कमगलुरु, हसन, कोडागु, मैसूर, मांड्या, चामराजनगर, रामानगर, बेंगलुरु शहरी, तुमकुरु और कोलार शामिल हैं। आईएमडी ने इनमें से कुछ इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। मंगलवार को भी येलो अलर्ट जारी रहेगा, बेंगलुरु शहरी क्षेत्र सहित 15 जिलों में बारिश की संभावना है। उस दिन दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की उम्मीद है। इस बीच, तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भी पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

मुसलमानों से हमदर्दी, तो मुस्लिम अध्यक्ष बनाए कांग्रेस:पीएम मोदी

वक्फ कानून का सही इस्तेमाल होता तो मुसलमानों को पंचर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती

एयरपोर्ट का उद्घाटन

यमुनानगर के कैल गांव में दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट में 800 मेगावाट की अल्ट्रा-क्रिटिकल आधुनिक इकाई की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार की डबल स्पीड देखी जा रही है।

एजेंसी

हिसार/ यमुनानगर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा, "देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती।" पीएम ने आगे कहा, "कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे। ये सिर्फ देश के नागरिकों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं।

कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण दिया

प्रधानमंत्री बोले, हमें यह कभी नहीं भूलना है कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के साथ क्या किया। कांग्रेस ने उन्हें 2 बार चुनाव हराकर अपमानित किया। कांग्रेस संविधान की भक्षक बन गई है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने पेंशन में भी एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया।"

कांग्रेस के लोग यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध कर रहे

हिमाचल में सारे काम ठप, कर्नाटक में हर चीज महंगी

मोदी ने कहा, हरियाणा की गाड़ी अब विकास के पथ पर दौड़ रही है। कांग्रेस शासित राज्यों में जनता के साथ विश्वासघात हो रहा है। पड़ोस में देखिए, हिमाचल में सारे काम ठप पड़े हैं। कर्नाटक में देखिए, हर चीज महंगी हो रही है। कर्नाटक में जो कांग्रेस सरकार ने टैक्स लगाए हैं, उनकी सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब आलोचना की है। खुद वहां के मुख्यमंत्री के करीबी कहते हैं कि कांग्रेस ने कर्नाटक को करप्शन में नंबर वन बना दिया। तेलंगाना में भी कांग्रेस की सरकार जंगलों पर बुलडोजर चला रही है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड , लेकिन कांग्रेस ने इसे लागू नहीं किया। उत्तराखंड में बीजेपी सरकार आने के बाद डंके की चोट पर लागू हुआ।

अंबेडकर जयंती: राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ,राहुल गांधी समेत तमाम गणमान्य ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

बाबा साहेब अंबेडकर ने अपना जीवन वंचितों और दलितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया. उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बाबा साहेब को अर्पित की श्रद्धांजलि

राहुल गांधी ने भी पोस्ट करते हुए कहा, भारतीय संविधान के निमार्ता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन। देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, हर भारतीय के समान अधिकारों के लिए, हर वर्ग की हिस्सेदारी के लिए उनका संघर्ष और योगदान, संविधान की रक्षा की लड़ाई में हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा.

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी ने आज सोमवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्री और विपक्षी दलों के तमाम नेता भी उपस्थित रहे.डॉ. अंबेडकर, जिन्हें 'बाबासाहेब' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार थे और उन्हें 'भारतीय संविधान का जनक' भी माना जाता है. वे स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री भी थे. संसद परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, लोकसभा नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर (पहले ट्विटर) पर पोस्ट, करते हुए कहा, ‘सभी देशवासियों की ओर से मैं भारत रत्न पूज्य बाबासाहेब को उनकी जयंती पर नमन करता हूं. उनकी प्रेरणा से ही आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में समर्पित भाव से लगा हुआ है. उनके सिद्धांत और आदर्श एक 'आत्मनिर्भर' और 'विकसित' भारत के निर्माण को शक्ति और गति देंगे.उन्होंने यह भी कहा कि बाबासाहेब की प्रेरणा से ही आज देश सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने की दिशा में प्रयासरत है. प्रधानमंत्री मोदी आज अंबेडकर जयंती के अवसर पर कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए हरियाणा का दौरा भी करेंगे।

कभी कर्मचारियों को वेतन देने के पैसे नहीं थे, आज यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट : सीएम योगी

कहा, फिक्की ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया. उत्तर प्रदेश अब बीमारू नहीं, बल्कि देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है : योगी. राज्य में स्थापित है कानून का शासन, लाउडस्पीकरों के शोर को बंद किया गया : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता व श्रम बाजार : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य और उपभोक्ता व श्रम बाजार, उद्यमियों का स्वागत करता है। उन्होंने इस अवसर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज भारत के संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। मुख्यमंत्री ने फिक्की को उत्तर प्रदेश के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि इस संगठन ने निवेशकों के लिए सकारात्मक माहौल और ईकोसिस्टम बनाने में सरकार का साथ दिया है। विशेष रूप से, इन्वेस्टर समिट 2018 और 2023 को सफल बनाने में फिक्की का योगदान सराहनीय रहा है।

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में फिर भड़की हिंसा

दक्षिण 24 परगना जिले में पुलिस की गाड़ियों को फूंका ,मुर्शिदाबाद में हालात सुधरे, 19 विस्थापित परिवार वापस लौटे

टीएमसी का आरोप- मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे भाजपा

तृणमूल कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद कुणाल घोष ने मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे भाजपा और दूसरी राजनीतिक पार्टियों के होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- हमें इनपुट मिले हैं कि हिंसा की घटनाओं के पीछे एक बड़ी साजिश थी। केंद्रीय एजेंसियां, कुछ राजनीतिक दलों का एक सेक्शन इस साजिश में शामिल था। बीएसएफ ने मदद करके उपद्रवियों को राज्य का बॉर्डर पार करवाया। कुछ उपद्रवी मुर्शिदाबाद के इलाके में घुसे, अराजकता फैलाई और ने उन्हें वापस जाने के लिए भी मदद की।

एजेंसी

मुर्शिदाबाद , वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद अब 24 परगना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस की झड़प हुई। बसंती हाईवे पर बैरमपुर में पुलिस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट के कार्यकताओं को लेकर जा रही एक गाड़ी को रोका, जिससे अशांति फैल गई। दरअसल, भांगर, मिनाखा, संदेशखाली से आईएसएफ कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान सुबह 10 बजे हाईवे जाम कर दिया था। रामलीला मैदान जा रहे कार्यकर्ताओं ने पुलिस को घेर लिया। इन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हाईवे पर हालात काबू में आ गए, लेकिन उग्र भीड़ ने शोणपुर में पुलिस की 5 बाइक में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी। कैदियों को ले जाने वाली वैन को पलटा दिया और उसमें भी तोड़फोड़ की। ये कार्यकर्ता इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के कहने पर कोलकाता के रामलीला मैदान में होने वाली जनसभा में शामिल होने जा रहे थे। जनसभा के दोरान नौशाद ने ये आरोप लगाया कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही वोट बैंक की राजनीति के लिए पश्चिम बंगाल में धर्म से खेल रहे हैं। इन्हें आर्थिक विकास की कोई चिंता नहीं है।

राम मंदिर ट्रस्ट को मिली संदिग्ध मेल, पुलिस मामले की जांच में जुटी

मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ईमेल रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात को मिला था। हालांकि पुलिस ने ईमेल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने अंग्रेजी में ईमेल लिखा है। अभी तक राम मंदिर ट्रस्ट या सुरक्षा एजेंसियों की ओर से ईमेल के बारे में कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर को एक ईमेल मिला है, जिसमें ट्रस्ट को मंदिर की सुरक्षा को लेकर चेतावनी दी गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ईमेल के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ईमेल रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात को मिला था। हालांकि पुलिस ने ईमेल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी की हुई पुष्टि

बेल्जियम की संघीय लोक सेवा ने बताया कि मेहुल चोकसी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया और उसे हिरासत में रखा गया है.

बेल्जियम ने कहा- भारत से मिला प्रत्यर्पण अनुरोध

एजेंसी

नई दिल्ली/ ब्रसेल्स: बेल्जियम की सरकार ने भी भगोड़े भारतीय कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है. बेल्जियम की संघीय लोक सेवा ने सोमवार को बताया कि चोकसी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया और अभी उसे हिरासत में रखा गया है. बयान में कहा गया कि भारत ने चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध पेश किया है.बेल्जियम की संघीय लोक सेवा ने मीडिया को बताया कि मेहुल चोकसी को कानूनी सलाहकार तक पहुंच सुनिश्चित की गई है. बयान में कहा गया कि बेल्जियम की संघीय लोक न्याय सेवा यह पुष्टि कर सकती है कि भारतीय अधिकारियों ने चोकसी के लिए प्रत्यर्पण अनुरोध प्रस्तुत किया है. जैसा कि व्यक्तिगत मामलों में मानक है, इस स्तर पर कोई और जानकारी साझा नहीं की जा सकती है.65 वर्षीय हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी 2 जनवरी, 2018 को भारत से भाग गया था. पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 13,850 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को चोकसी की तलाश है.

मुझे गद्दार बताने वाले पोस्टर के पीछे नाथूराम गोडसे के समर्थकों का हाथ : दिग्विजय सिंह

वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर उनके रुख को लेकर उनका विरोध सिर्फ इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आम्बेडकर के अनुयायी और भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दुश्मन हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने सोमवार को दावा किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर विवादास्पद पोस्टर लगाने के पीछे महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के समर्थकों का हाथ है। इन पोस्टर में सिंह को गद्दार बताया गया था। मध्यप्रदेश, सिंह का गृहराज्य है जहां वह 1993 से 2003 तक 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे थे। इंदौर और राज्य के अन्य शहरों में हाल में लगाए गए विवादास्पद पोस्टर पर छपा था-वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह।

सील | **अवैध मदरसे हुए सील**

हल्द्वानी में धामी सरकार ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी

> इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे।

उत्तराखंड। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सख्त निर्देशों का पालन करते हुए राज्य के हल्द्वानी में स्थानीय प्रशासन एक्शन मोड में आया हुआ है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में प्रशासन ने अवैध तौर पर संचालित मदरसों के खिलाफ छापेमारी की है। इस दौरान कई मदरसों को सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है।

ये इंतजाम इसलिए किए गए हैं क्योंकि इलाके में किसी तरह की अशांति ना फैले और कानून व्यवस्था भी बनी रहे। बता दें कि अपर जिला अधिकारी विवेक राय ने बताया है कि ये कार्रवाई उन मदरसों पर की गई है, जिनके पास मान्यता नहीं है। जिन मदरसों में शक्षा विभाग व सरकार के नियमों का पालन नहीं हो रहा था उन्हें सील किया गया है। इन मदरसों ने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता संबंधित मानकों का पालन किया है। प्रशासन को पहले कुछ मदरसों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली है। इनमें बच्चों के बैठने की व्यवस्था ना होना, साफ सफाई की कमी, शौचालय ना होना, सीसीटीवी सुरक्षा व्यवस्था ना होगा। कई मदरसों में मस्जिदों में संचालित हो रहे थे। ये सरकारी नियमों के विरुद्ध है। इस कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हुआ है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि किसी तरह की अफवाह से बचने व शांति बनाए रखें। प्रशासन का कहना है कि ये कार्रवाई अवैध तौर से संचालित हो रहे शिक्षण संस्थानों के खिलाफ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुछ दिन पहले ही निर्देश दिए थे कि राज्य में सभी मदरसों की जांच की जाए। इस कार्रवाई के दौरान इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अशांति या अफवाहें न फैलें और कानून-व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल अवैध रूप से चल रहे शिक्षण संस्थानों के खिलाफ है, न कि किसी खास धर्म या समुदाय के खिलाफ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुछ दिन पहले ही राज्य में चल रहे सभी मदरसों की जांच कराने के निर्देश दिए थे। उनका कहना था कि बच्चों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी शिक्षण संस्थाओं को मान्यता प्राप्त होनी चाहिए और उन्हें निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर हल्द्वानी में चर्चा का माहौल बन गया है। कुछ लोगों ने इस कदम का समर्थन किया है, जबकि कुछ इसे अचानक और कठोर कदम मानते हुए आलोचना कर रहे हैं।

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में राजग अगली सरकार बनाएगी: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

चौधरी ने कहा, तेजस्वी को हमें बताना चाहिए कि 15 साल तक बिहार पर शासन करने वाले उनके पिता और मां ने राज्य के लिए क्या किया। वे एक मेडिकल कॉलेज भी नहीं खोल सके।

एजेंसी

बिहार। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में अगली सरकार बनाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सम्राट चौधरी ने एक समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि कुमार ने आंबेडकर समग्र सेवा अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिवासियों और दलितों के लिए बनाई गई योजनाएं सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। चौधरी ने कहा, बाबासाहब आंबेडकर की जयंती पर एक अभियान शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई। यह अभियान अनुसूचित जातियों और जनजातियों के प्रति उनकी गहरी चिंता को दशार्ता है। उन्होंने कहा, अभियान के तहत अधिकारी उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत 22 योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। सभी पंचायतों में यह जायजा लिया जाएगा। जहां भी सभी लोगों तक लाभ नहीं पहुंचा होगा, वहां सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पार्टी को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद है, जिस पर विवाद उत्पन्न हो गया था।

सम्पादकीय

विसंगतियों भरी टोल नीति, नई टोल पॉलिसी से मिलेगा लाभ

तकनीक ऐसी चीज है जिसे निरंतर उन्नत बनाने की आवश्यकता होती है। अपने देश में इस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा पा रहा है। आशा की जानी चाहिए कि नई टोल नीति से यह भी स्पष्ट होगा कि किसी राजमार्ग पर किस आधार पर कितनी अवधि तक टोल वसूला जाएगा। इसके साथ ही राजमार्गों एक्सप्रेसवे आदि के रखरखाव पर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है ।यह अच्छी बात है कि सरकार नई टोल नीति लाने जा रही है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर आवागमन को सुगम बनाना एवं लोगों को राहत देना है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रस्तावित टोल नीति से ऐसा वास्तव में हो। मौजूदा टोल नीति न केवल विसंगतियों से ग्रस्त है, बल्कि टोल वसूलने की प्रक्रिया भी कष्टकारी है ।इसका पता इससे चलता है कि इस प्रक्रिया के प्रति लोगों का असंतोष बढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे नए राजमार्ग और एक्सप्रेसवे बनते जा रहे हैं वैसे-वैसे वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है। इसी के साथ अपने वाहनों से लंबी दूरी की यात्रा करने का प्रचलन भी बढ़ रहा है, लेकिन यह देखने में आ रहा है कि टोल वसूलने की प्रक्रिया समय खपाने वाली बनी हुई है ।टोल प्लाजा में वाहनों के निकलने के समय के संदर्भ में सरकार के दावे कुछ भी हों, लेकिन सच्चाई यह है कि लगभग पूरी टोल वसूली इलेक्ट्रानिक तरीके से होने के बावजूद किसी न किसी कारण देरी होती है। इसकी सबसे प्रमुख वजह टोल ऑपरेटरों और एजेंसियों के कामकाज में दक्षता का अभाव हैसमस्या केवल यह नहीं है कि टोल चुकाने के दौरान समय की अनावश्यक बबार्दी होती है, बल्कि यह भी है कि टोल प्लाजा में वाहनों की लंबी कतारें लगने से पेट्रोल एवं डीजल की बबार्दी भी होती है। इसका आकलन किया जाना चाहिए कि टोल वसूलने के दौरान लगने वाले समय के चलते ईंधन की कितनी बबार्दी होती है और उससे पर्यावरण को कितनी हानि पहुंचती है ।निःसंदेह राजमार्गों और एक्सप्रेसवे आदि के निर्माण में रखरखाव के लिए वाहन चालकों से शुल्क लेना ही होगा, लेकिन उसकी अदायगी सुगम तरीके से होनी चाहिए। सरकार के तमाम वादों के बावजूद ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसका एक कारण उन्नत तकनीक उपयोग न किया जाना है ।यह ठीक है कि नई टोल नीति में उन्नत तकनीक के इस्तेमाल की बात की जा रही है, लेकिन उसकी उपयोगिता तभी सिद्ध होगी जब लोगों को राहत मिलेगी। फास्टैग को एक उन्नत तकनीक के रूप में ही अमल में लाया गया था, लेकिन समय के साथ वह समस्याजनक हो गया। नई तकनीक ऐसी होनी चाहिए जिससे टोल प्लाजा वास्तव में बैरियर मुक्त हो सकें ।तकनीक ऐसी चीज है जिसे निरंतर उन्नत बनाने की आवश्यकता होती है। अपने देश में इस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा पा रहा है।

आज का विचार

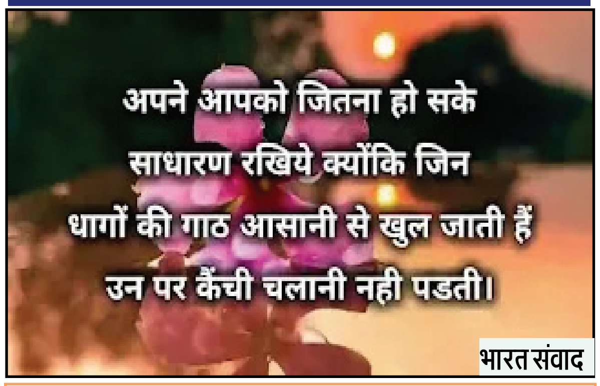

राशिफल

मेष राशि: घर में पैसे रखे है तो उस पर ध्यान रखे क्योंकि उसमे गड़बड़ी होने के संकेत है. घर का मुख्य दरवाजा भी बंद करके रखे.डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. यात्रा मनोरंजक रहेगी. कर्ज समय पर चुका पाएंगे. आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी. पारिवारिक मित्रों से मेल-जोल बढ़ेगा. छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा.

वृष राशि : व्यापार में नए ग्राहक बनेंगे जिनसे आगे चलकर बहुत लाभ मिलेगा. बाजार में आपको नए मित्र भी मिल सकते है. छात्रों को कल किसी कारण से अपने माता-पिता से डांट पड़ेगी.योजना फलीभूत होगी.

मिथुन राशि: दिन फिजूलखर्ची बढ़ जाएगी. ऐसे में आपको ध्यान से खर्च करने की आवश्यकता है. घर के बाहर जाने से बचे क्योंकि दुर्घटना होने की भी संभावना है.तीर्थाटन की योजना बनेगी. सत्संग का लाभ मिलेगा. वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा. समय पर काम पूरे होंगे. मनोरंजक यात्रा हो सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यय में वृद्धि हो सकती है.

कर्क राशि : परिवार में किसी सदस्य को गंभीर बीमारी है तो कल उनकी तबियत बिगड़ सकती है. ऐसे में उनका ध्यान रखे और धैर्य से काम ले.स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. घर-परिवार में विवाद हो सकता है. चोट व दुर्घटना से हानि संभव है. अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है. चिंता तथा तनाव रहेंगे.

सिंह राशि: सिंह राशि यदि कुछ दिनों से वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल चल रही है तो वह कल के दिन शांत हो जाएगी. दोनों के बीच आपसी समझ बढ़ेगी और भविष्य को लेकर योजनाएं बनाएंगे.दांपत्य जीवन में प्रगाढ़ता आएगी. परिवार में कोई आयोजन हो सकता है. प्रसन्नता तथा व्यस्तता रहेगी. उत्साह में वृद्धि होगी. वरिष्ठजन सहयोग व मार्गदर्शन करेंगे.

कन्या राशि: कार या बाइक में खराबी आ सकती है जिसको लेकर आप परेशान रहेंगे. अनजान व्यक्ति के साथ बातचीत होगी लेकिन निजी बातों को साँझा करने से बचें.संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे.

तुला राशि: स्टार्टअप में पैसा इन्वेस्ट किया हुआ है तो वहां से अच्छा लाभ मिलेगा और आप उसको लेकर आशावादी रहेंगे. दोस्तों के साथ संबंध मधुर बनेंगे.राजकीय बाधा उत्पन्न हो सकती है. विवाद न करें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

वृश्चिक राशि: समाज में छवि सुधरेगी और सभी के मन में आपके प्रति मान-सम्मान बढ़ेगा. परिवार में किसी के साथ बाहर जाने का भी प्लान कर सकते है.कष्ट, भय व बेचैनी का वातावरण बन सकता है. सावधानी रहें. लेन-देन में सावधानी रखें. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है.

धनु राशि: सुबह से शाम तक व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम में किसी के लिए समय निकालना पड़ेगा. घर का कोई सदस्य आपके लिए कुछ स्पेशल करने का भी प्रयास कर सकता है.अज्ञात भय सताएगा. नेत्र पीड़ा हो सकती है. स्वास्थ्य पर व्यय होगा. .

मकर राशि: जॉब से संबंधित किसी कार्य के लिए विदेश जाने के संयोग बन सकते है. परिवार में आपको लेकर उत्साह रहेगा. कृषि के क्षेत्र में उन्नति होगी.मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी. पारिवारिक मांगलिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा.

कुंभ राशि: कला, संगीत, मीडिया के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को कल के दिन किसी का सहयोग मिलेगा. राजनीति के क्षेत्र में संभल कर काम करने की जरूरत है.किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग मिलेगा. पारिवारिक मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

मीन राशि: घर में शादी को लेकर बात छिड़ सकती है. आपके विवाह के लिए रिश्ते भी आ सकते है. यदि विवाह हो चुका हैं तो अपने पार्टनर के साथ कही बाहर घूमने जाने का प्लान बनेगा.पुराना रोग उभर सकता है. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. बनते काम बिगड़ सकते हैं. व्यवसाय ठीक चलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सिमटते आधार से घबराए माओवादी, परंतु हथियार छोड़ने पर सहमति नहीं

> दूरगामी इलाकों में सड़कें बन रही हैं मोबाइल टावर लग रहे हैं बैंक एवं पोस्ट आफिस की शाखाएं खुल रही हैं। सरकार ने माओवाद-मुक्त पंचायत में एक करोड़ रुपये के विकास कार्य करने की घोषणा की है। इसलिए अब जरूरी है कि माओवादी यह स्पष्ट करें कि क्या वे स्थायी समाधान के लिए हथियार छोड़ने को तैयार हैं? अर्थात क्या वे सशस्त्र क्रांति का रास्ता त्यागने के लिए तैयार हैं?

हाल में माओवादियों की उच्चस्तरीय केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय (छद्म नाम) ने एक प्रेस नोट जारी कर सरकार को शांतिवार्ता के लिए अनुरोध किया। अभय ने वार्ता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने के साथ-साथ नए सुरक्षा कैंप स्थापित न करने और सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान बंद करने की शर्तें रखी है। इसके जवाब में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार माओवादियों से बातचीत कर सकती है, परंतु कोई शर्त मान्य नहीं होगी ।वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि माओवादी हथियार छोड़ दें, क्योंकि जब कोई भी माओवादी मारा जाता है तो किसी को खुशी नहीं होती। माओवादियों ने शांति-वार्ता की पेशकश अवश्य की है, परंतु हथियार छोड़ने के संबंध में कुछ नहीं कहा है। दरअसल माओवादी सुरक्षा बलों के हाथों लगातार मात खाने के बाद और नुकसान नहीं होना देना चाहते। माओवादियों ने हाल में अपने सदस्यों को सुरक्षात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए थे ताकि वे पुलिस के चंगुल में न फंसें ।जहां तक पूर्व में शांति के पक्ष में किए गए प्रयासों का प्रश्न है, तो सरकारों का अनुभव कुछ अच्छा नहीं रहा। वर्ष 2002 में भी नक्सलियों ने आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के समक्ष एक माह के लिए हिंसा छोड़ने और शांति-

वार्ता का प्रस्ताव रखा तो वह आगे इसलिए नहीं बढ़ सका, क्योंकि तब नक्सली हथियार छोड़ने को तैयार नहीं थे ।वार्ता की आड़ में नक्सल विचारधारा की मुख्य दो पार्टियां सीपीआइ (एमएल) पीपुल्स वार और माओइस्ट कम्युनिस्ट सेंटर आफ इंडिया मिलकर सीपीआइ (माओवादी) पार्टी बनाने में व्यस्त थीं। 2004 में इन दो पार्टियों का विलय हो गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बातचीत का समय नक्सलियों ने अपने राजनीतिक एजेंडे को प्रसारित करने के लिए उपयोग किया था ।शांति-वार्ता का अगला प्रयास तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदंबरम द्वारा मई 2010 में किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश के माध्यम से माओवादियों के नाम गृहमंत्री ने एक पत्र लिखकर माओवादियों को 72 घंटे के लिए हिंसा रोकने के लिए अनुरोध किया, ताकि वार्ता के लिए माहौल तैयार किया जा सके, परंतु उसी दौरान एक जुलाई, 2010 को माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के सदस्य आजाद की आंध्र प्रदेश पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु हो जाने के बाद बातचीत के प्रयास वहीं रुक गए ।वर्ष 2011 के बाद से माओवादी खुद यह मानते आए हैं कि उनका जन-आधार लगातार घट रहा है। सुरक्षाबल नए-नए कैंप और पुलिस थाने स्थापित कर लगातार आगे बढ़ रहे हैं। माओवादियों की पीपुल्स लिबरेशन गोरिल्ला आर्मी की कई कंपनियां कमजोर होकर प्लाटून के आकार में बदल गई हैं। दिसंबर 2020 में जब माओवादियों की केंद्रीय कमेटी ने अपने संगठन की समीक्षा की तो पाया कि पूरे देश में वे पीछे-हटने की स्थिति में हैं ।अपनी तथाकथित क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए माओवादियों की केंद्रीय कमेटी ने तब कुछ निर्णय लिए, परंतु वे अपना नुकसान होना नहीं रोक पाए और लगातार कमजोर होते गए। वर्ष 2024-25 में अब तक 330 से अधिक माओवादी मारे जा चुके हैं जिसमें कई बड़े लीडर भी हैं। वर्ष 2024 में केंद्र सरकार ने जब राज्य सरकारों से मिलकर मार्च 2026 तक माओवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा, नए कैंप स्थापित करके माओवादियों को सुरक्षात्मक कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया तो ऐसी स्थिति में माओवादियों ने अब फिर शांति-वार्ता का प्रस्ताव रखा है ।माओवादी स्थायी समाधान के लिए हथियार छोड़ने को तैयार हैं अथवा नहीं, यह स्पष्ट नहीं किया है। पुराने अनुभवों से तो केवल यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि बिना हथियार छोड़ने की शर्त पर बातचीत का रास्ता अपनाया जाता है तो माओवादी इस अवधि में केवल अपने आप को संगठित करने और अपने नेतृत्व को बचाने का प्रयास करेंगे। हजारों सुरक्षाकर्मियों ने इस लड़ाई में अपने प्राण न्योछावर किए हैं। माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण भी लगातार बढ़ रहा है ।निचले स्तर के माओवादी यह समझ चुके हैं कि वे सरकार के खिलाफ यह लड़ाई नहीं जीत सकते। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर विकास की कई योजनाएं लागू कर रही हैं ताकि आदिवासियों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल में नियद-नेल्लानार (आपका अपना सुंदर गांव) योजना लागू की है जिसके अंतर्गत सुरक्षा कैंप के चारों ओर के गांव में ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान किया जाना है ।दूरगामी इलाकों में सड़कें बन रही हैं, मोबाइल टावर लग रहे हैं, बैंक एवं पोस्ट आफिस की शाखाएं खुल रही हैं। सरकार ने माओवाद-मुक्त पंचायत में एक करोड़ रुपये के विकास कार्य करने की घोषणा की है। इसलिए अब जरूरी है कि माओवादी यह स्पष्ट करें कि क्या वे स्थायी समाधान के लिए हथियार छोड़ने को तैयार हैं? अर्थात क्या वे सशस्त्र क्रांति का रास्ता त्यागने के लिए तैयार हैं? यदि माओवादी हथियार छोड़ने को तैयार नहीं होते तो उनकी मंशा स्पष्ट हो जाएगी कि वे केवल कुछ समय की मोहलत चाहते हैं, ताकि निचले स्तर के माओवादी पार्टी छोड़कर न जाएं, बड़े लीडर सुरक्षित किए जा सकें और उनको पुन: संगठित होने का कुछ समय मिल सके। यदि माओवादियों की मंशा ऐसी है तो सरकार को बातचीत का रास्ता अपनाने से बचना चाहिए।

स्मार्ट खेती खोलती किसान के बेहतर भविष्य की राह

विजय गर्ग

भारत को दुनिया में कृषि प्रधान देश के रूप में जाना जाता है। जो खेती से अपनी विशाल आबादी की खाद्य आवश्यकताएं पूरी करता है। लेकिन देश में खेती करने वाले किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के चलते कृषि व्यवसाय को समस्याग्रस्त बना दिया है। ऐसे में खेती से जुड़े कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति ला सकते हैं। इन तकनीकों के उपयोग से किसानों को खेती के तरीकों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, उनकी पैदावार भी बढ़ सकेगी और लागत भी कम होगी।

खेती में आईओटी तकनीक की मदद से खेतों में विभिन्न सेंसर लगाए जा सकते हैं, जो पहले बताई गई समस्याओं का समाधान करते हैं। ये सेंसर मिट्टी की नमी, तापमान, पीएच स्तर और पोषक तत्वों (एनपीके) की मात्रा को मापते हैं। सेंसर से प्राप्त रियल-टाइम डेटा एआई मॉडल में जाएगा, जिसके जरिये किसान को जानकारी मिल सकेगी कि मिट्टी की स्थिति कैसी है और फसल को पानी या खाद की जरूरत कब है। इससे किसान फसल की सेहत को बेहतर समझ सकते हैं और समय पर उसे सही पोषण दे सकते हैं। इसी तरह एआई और आईओटी के जरिए सिंचाई को भी ऑटोमेटेड किया जा सकता है। सेंसर से प्राप्त डेटा के आधार पर तय किया सकता है कि खेत में कब और कितनी मात्रा में पानी देना है। इससे जल की बबार्दी रुकती है और फसल को जरूरत मुताबिक पानी मिलता है।

तकनीक के प्रयोग से फसलों में लगने वाले रोगों और कीटों का प्रबंधन अब पहले से आसान हो गया है। पहले किसान तब तक इंतजार करते थे जब तक कि बीमारी पूरी फसल को

नुकसान न पहुंचा दे। लेकिन अब एआई आधारित मोबाइल एप जैसे प्लांटिक्स और एग्रीबोट ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। किसान फसल की फोटो अपलोड करते हैं, और ये ऐप तुरंत बीमारी का पता लगाकर उसका इलाज सुझाते हैं। इससे तुरंत समस्या के बारे में जानकारी मिलती है और समय पर इलाज संभव है।

एआई और आईओटी तकनीकों की मदद से किसान मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी के आधार पर तय कर सकते हैं कि कौनसी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। मशीन लर्निंग मॉडल्स मिट्टी के पोषक तत्वों और जलवायु परिस्थितियों के आधार पर किसान को सुझाव दे सकते हैं कि कौन-सी फसल लगाने से उत्पादन अधिक होगा और कौन-सी फसल से मुनाफा ज्यादा होगा।

एआई की मदद से मौसम की भविष्यवाणी भी की जा सकती है। इससे किसान पता लगा सकेंगे कि कब बारिश होगी, कब सूखा पड़ सकता है या कब ठंड पड़ेगी। इस जानकारी के आधार पर फसल की बुआई, कटाई और सिंचाई का सही समय तय कर सकते हैं। मौसम के सटीक पूवार्नुमान के चलते किसान प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं ।आजकल कृषि में ड्रोन तकनीक का भी उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन की मदद से खेतों की निगरानी की जा सकती है। एआई-आधारित इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग कर किसान जान सकते हैं कि किस हिस्से में बीमारी फैली है या किन क्षेत्रों में अधिक खाद-पानी आदि चाहिये। ड्रोन का उपयोग कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव के लिए भी किया जा सकता है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है ।एआई और आईओटी तकनीकों को कृषि में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सरकार और निजी कंपनियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके अलावा, माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम जैसी कंपनियां भी किसानों के लिए एआई-आधारित समाधान विकसित कर रही हैं। मसलन, आईबीएम ने वेदर कंपनी के जरिये किसानों को मौसम की सटीक जानकारी देने का काम किया है ।हालांकि एआई और आईओटी खेती के क्षेत्र में बड़े बदलाव ला सकते हैं, लेकिन अब भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। छोटे किसानों की स्मार्टफोन और इंटरनेट तक सीमित पहुंच है। इसके अलावा, एआई और आईओटी आधारित उपकरणों की शुरूआती लागत काफी ज्यादा है, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए बड़ी बाधा बन सकती है। वहीं नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रशिक्षण और तकनीकी ज्ञान की भी आवश्यकता होगी, जो वर्तमान में कई किसानों के लिए उपलब्ध नहीं है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और बिजली की समस्या भी एआई और आईओटी के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा बन सकती है। उनके लिए सब्सिडी, कम लागत वाले सेंसर और मुफ्त इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान किये जाने की जरूरत है। इससे छोटे किसान भी आधुनिक तकनीकों का लाभ उठा सकेंगे। पूरी तरह से एआई और आईओटी को कृषि में लागू करने के लिए समय, धन और सही रणनीति की आवश्यकता होगी। इसके लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी सहायता जैसे उपाय अपनाए जा सकते हैं, ताकि हर किसान इन नवीन तकनीकों का लाभ उठा सके और देश की कृषि उत्पादकता में इजाफा हो।

छूटती दहलीजें

बच्चे जब कुछ समझने लगते हैं तो आमतौर पर घर - घर खेला करते हैं। बचपने में वे अपने बनाए घर यानी मिट्टी-रेत के घरौंदों के लिए आपस में लड़ भी पड़ते हैं। एक-दूसरे के घर तोड़ दिया करते हैं। सब लड़कपने में कभी बचपने में भी । मगर बड़े होते ही तब बहुत कुछ समझने लगते हैं, घर की अहमियत, उसके मतलब और घर के सदस्यों का महत्त्व भी जानने लगते हैं। साथ ही कई बार अपना हक भी बताने लगते हैं। पूरे घर को सिर पर उठा लेना शायद यहीं से शुरू हुआ हो । मगर इस बीच इस बात का अहसास भी घर में जीवन का माहौल बनाता रहता है, घर के सभी लोग खुशहाली और भविष्य की उम्मीद के साथ अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का निर्वाह करते हैं ।

उधर शहरों में आने वाले अधिकतर लोग भले ही गांव के घरों को छोड़ कर आए हों या उन्हें बेच कर, पर असल में ये आए तो हैं अपने सपनों को साकार करने। तब ये परम आवश्यक भी दिखता है कि घर के बदले घर बन जाए। रहने से घर की अहमियत होती है । फिर भी यहां-वहां बहुतों को ऊंची इमारतों में बने फ्लैटों में रहते देखा जाता है, जहां प्रायः अपने कम दिखते हैं और बेगाने अधिक। आधे-अधूरे रिश्तों में दिखते लोग अपनी तरह की जिंदगी जीते हैं। देखा जाए तो इनकी एक अलग पहचान होती है, संस्कृति और समाज अलग। इनके सब काम अब आधुनिक जीवनशैली के बीच आमतौर पर आनलाइन होते हैं । वाट्सऐप पर रात-दिन इस तरह रहने वाले लोग करें तो करें क्या और कैसे ? वक्त की 'कद्रदानी' ने इन्हें एक तरह से वक्त काही गुलाम बना लिया है। यहां बात उन घरों की चल रही है जहां 'हम दो हमारे एक या दो' हुआ करते हैं । इन लोगों का खाना-पीना ज्यादातर बाहर होटल-रेस्तरां में होता है। घरों पर इंतजार करने वाला कोई नहीं होता, न इन्हें किसी का इंतजार करना होता है। इस जीवनशैली में रहने वाले ज्यादातर लोगों को यह स्थिति सताती नहीं है, क्योंकि वे इसके अभ्यस्त हो चुके होते हैं ।

कभी-कभी समझ से परे लगता है कि स्त्रियां सारी जिंदगी गुजार देती हैं अपनी बस पति, बच्चे-पोतों में रम कर, पर वे अपने घर - मायके को कभी नहीं भूलतीं। जब तब या कभी किसी बात-बेबात पर या फिर गुस्से में अपनी मां का घर याद हो आता है । घर का बखान करने का अभिप्राय यहां यह है कि आज के दौड़ते-भागते समय में बहुत से लोगों ने घर को दरकिनार कर दिया है। जो काम पहले घरों से शुरू हुआ करते थे, अब बाहर से बाहर हो रहे हैं। बल्कि बाहर ही हो रहे हैं। कई जगहों पर व्यवस्थागत रूप से । शादियां या फिर पार्टियां घर को छोड़ कर भव्य समारोह भवनों में हुआ करती हैं। पैसे के आगे रिश्ते-नाते, रीति-रिवाज यहां तक कि अपनी परंपराएं भी बौनी हो गई लगती हैं। घर को भुला दिया जा रहा है। घर की देहरी पर कभी बारात आती थी या लड़की की विदाई घर से होती थी । अब ये सब बिसरा दिया गया है । शुरू में बच्चों में घर-घर खेलने की बात केवल यह जताने के लिए की गई थी कि घर का अपना कितना महत्त्व और रुतबा होता है ।महज चारदिवारी में बने स्थान को घर नहीं कह सकते । उसके लिए उसकी छत मतलब मान-मयार्दा होती है। समय- समय पर उसे उचित सम्मान देना पड़ता है। एक गरिमामय उपस्थिति के लिए उसे उसी के रंग में तैयार करना पड़ता 1 यों भी, हम सारी दुनिया में खूब घूम लें, सैर-सपाटा कर आएं, पर जो सुकून, दिल को तसल्ली घर लौट कर आने से मिलती है वह कहीं और नहीं मिलती । घर आते ही जूते- चप्पल, कपड़े-लत्ते कहीं रख दें, कोई फर्क नहीं पड़ता। पिछले दिनों एक विवाह का निमंत्रण मोबाइल पर आया, जिसे किसी कारणवश समय पर देखा नहीं जा सका। फोन पर जब बताया गया तब मोबाइल खोलना पड़ा। एक परिचित की बिटिया के विवाह का कार्ड था । होटल में विवाह का ब्योरा दर्ज था। शाम के तीन बजे से आठ बजे के बीच।

सलमान खान को फिर मिली जान से मारने की धमकी, मैसेज में लिखा- कार को बम से उड़ा देंगे

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार उन्हें मुंबई के वर्ली स्थित परिवहन विभाग के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज भेजा गया है। धमकी भरे मैसेज में एक्टर के घर में घुसकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। साथ ही उनकी कार को बम से उड़ाने की भी धमकी मिली है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। एक अज्ञात ने वर्ली में परिवहन विभाग के वॉट्सऐप नंबर पर भाईजान को घर में घुसकर जान से मारने और कार को बम से उड़ाने का मैसेज भेजा है। पुलिस ने उस अनजान शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है ।घटना के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने एएनआई के हवाले से इस घटना की जानकारी दी है। आगे की जांच जारी है ।पहले भी कई बार मिली धमकीपिछले कुछ साल से सलमान खान को धमकियां मिलने का सिलसिला जारी है। बता दें कि 8 नवंबर 2024 को भी सलमान को मुंबई के ट्रैफिक कंट्रोल रूम के जरिए धमकी भरी कॉल की गई थी। इसके बाद वर्ली पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया था ।यह विडियो भी देखेंकथित तौर पर धमकी भरे संदेश में एक गाने का जिक्र था जिसमें सलमान खान और लॉरेंस बिश्नोई दोनों का जिक्र करते हुए चेतावनी दी गई थी कि गीत लिखने वाले को एक महीने के भीतर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे ।घर के बाहर हुई थी गोलीबारीवहीं बीते साल 14 अप्रैल की सुबह सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बाइक से आए दो शूटर्स ने पांच राउंड फायरिंग की थी।

मुंबई महाराष्ट्र की है, यह संदेश दिया था बाबासाहेब आंबेडकर ने दिया था...मुंबई में नए स्टैच्यू के अनावरण पर बोले फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को अंबेडकर जयंती के मौके पर वडाला कोरबा मिठागर में एक स्टैच्यू का अनावरण किया। इस मौके पर फडणीस ने बाबा साहेब के मुंबई कनेक्शन को जिक्र किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है।

- मुंबई महाराष्ट्र की है, अंबेडकर जयंती पर बोले फडणवीस
- वडाला कोरबा मिठागर में बाबा साहेब के स्टैच्यू का अनावरण
- फडणवीस बोले-मुंबई-महाराष्ट्र का संबंध गहराई से जुड़ा है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यह दृढ़ और स्पष्ट संदेश दिया था कि मुंबई महाराष्ट्र की है। मुंबई और महाराष्ट्र का संबंध गहराई से जुड़ा हुआ है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के दौरान मुंबई सहित संयुक्त महाराष्ट्र का निर्माण डॉ. आंबेडकर के विचारों से ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि मुंबई और बाबासाहेब का संबंध अटूट है ।वडाला पूर्व स्थित कोरबा मिठागर क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर की पूणार्कृति प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सीएम फडणवीस ने कहा कि बाबासाहेब द्वारा दिया गया संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। देश की शासन प्रणाली इसी पर आधारित है और यही संविधान भारत को महाशक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बाबासाहेब के कार्य और उनके योगदान को उजागर करने के लिए हमारी सरकार इंदू मिल में एक भव्य स्मारक का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब की प्रतिमा संविधान के बिना अधूरी है। संविधान के माध्यम से उन्होंने शोषितों और पीड़ितों को न्याय दिलाया। संविधान ने सभी नागरिकों को समान अवसर दिए। इसके निर्माण में बाबासाहेब की दूरदर्शिता और बौद्धिक गहराई स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

पहला सम्मान का किया जिक्र

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बाबासाहेब के जीवन के कई महत्वपूर्ण पल, उनकी स्मृतियों को संजोने वाले अनेक प्रसंग मुंबई ने देखे हैं। उनके पुस्तक प्रकाशन और छपाई का कार्य भी मुंबई में ही हुआ। उनका राजनीतिक जीवन भी यहीं से शुरू हुआ। उन्होंने शोषितों की आवाज बनकर आजीवन संघर्ष किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब डॉ. आंबेडकर ने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी, तब उनका पहला सत्कार मुंबई में हुआ था। केंद्रीय मंत्री, प्रांतीय अध्यक्ष और गोलमेज सम्मेलन से लौटने के बाद, और संविधान निर्माण के बाद जब वे लौटे, तब भी उनका स्वागत मुंबई में ही हुआ। उनकी 50वीं वर्षगांठ पर चैत्यभूमि में अभिवादन सभा भी मुंबई में ही आयोजित की गई थी।

फास्ट ट्रैक

मजदूरी कर पढ़ाई, गढ़चिरौली में नक्सली हिंसा के बीच कम नहीं हुआ जज्बा, आईआईटी में लहराया परचम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः गढ़चिरौली के वागदरा गांव के अमर परचाके ने आईआईटी गांधीनगर में 'सोसायटी एंड कल्चर' में एडमिशन पाकर इतिहास रच दिया है। नक्सलवाद से जूझते इस क्षेत्र के एक आदिवासी युवक की यह सफलता, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की शक्ति का प्रतीक है। अमर की कहानी, मुश्किलों से लड़कर आगे बढ़ने और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली का नाम आते ही जो दिमाग में सबसे पहले आता है, वह है नक्सलवाद। यह वह इलाका है जो नक्सलवाद का गढ़ है। कभी यहां के बच्चे, युवा, महिलाएं नक्सलवाद की गिरफ्त में थे। यहां के आदिवासी बच्चों के पास शिक्षा-स्वास्थ्य से लेकर सुविधाओं तक तक टोटा था। हायर स्टडी के बारे में तो कोई दूर-दूर तक नहीं सोच सकता था लेकिन अब ऐसी खबर सामने आई है, जो गढ़चिरौली की बदलती तस्वीर बयां कर रही है। यहां के वागदरा गांव के अमर मामिता रवींद्र परचाके ने आईआईटी गांधीनगर में एडमिशन पा लिया है। वह 'सोसायटी एंड कल्चर' में मास्टर डिग्री करेंगे। यह कोर्स भारत के कुछ ही बड़े संस्थानों में है ।24 साल के अमर के लिए यह सफलता बहुत बड़ी है। उन्होंने अपनी मां को खो दिया था। उनके पिता ने ही उनकी मां को जला दिया था। अमर के दादा-दादी ने उन्हें पाला। अमर के पिता को नागपुर जेल में सजा हुई थी, लेकिन अब वह जमानत पर बाहर हैं ।अमर ने बताया, 'मैंने नक्सलवाद और अपराध से दूर निकलने का फैसला लिया। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ईंट भट्टों पर मजदूरी की है।' अमर ने मुश्किलों से लड़कर यह मुकाम हासिल किया है। उनके पास पैसे नहीं थे और गांव में इंटरनेट की सुविधा भी ठीक नहीं थी ।अमर ने अपनी पढ़ाई यशोधा विद्यालय चामोर्शी से पूरी की। फिर उन्होंने नागपुर के डॉ. आंबेडकर कॉलेज से आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने मातृ सेवा संघ इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क से सोशल वर्क में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। अमर की खासियत सिर्फ यह नहीं है कि उन्होंने पढ़ाई में अच्छा किया है, बल्कि यह है कि उन्होंने आईआईटी जैसे बड़े संस्थान में जाने का सपना देखा ।अमर कहते हैं कि आईआईटी में एडमिशन मिलना मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है। यहां सीटें बहुत कम हैं और एंट्रेंस एग्जाम के बाद 300 से ज्यादा लोगों का इंटरव्यू हुआ था। मेरी सफलता सिर्फ मेरे लिए नहीं है, बल्कि यह आदिवासी और गांव के बच्चों के लिए भी प्रेरणा है। अमर का कहना है कि उन्हें ऐसे प्लेटफॉर्म चाहिए, जहां उन्हें और बच्चों को मार्गदर्शन मिल सके

गाना सुनते ही नाक से बहने लगा खून और फिर... नासिक में युवक की रहस्यमयी मौत से हड़कंप

- महाराष्ट्र के नासिक में युवक ने रहस्यमयी तरीके से तोड़ा दम।
- डीजे की तेज आवाज सुनकर नाक से बहने लगा खून।
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने किया बीमारी का दावा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में एक युवक की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई। मौत की वजह गाने की तेज आवाज को बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक ट्यूबरक्लोसिस से ग्रसित, जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। तो आइए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है ?नितिन के नाक से बहने लगा खूनमृतक का नाम नितिन फकीरा रणशिंगे है। बीती रात अचानक से नितिन की तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई।

तेजर्रार महिला नेता ने उद्धव ठाकरे को दिया तगड़ा झटका, प्रवक्ता बनते ही शिंदे गुट में शामिल

- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी को झटका
- संजना घाडी ने अपने पति के साथ छोड़ी शिवसेना यूबीटी
- संजना घाडी को चार दिन पहले उद्धव ने बनाया था प्रवक्ता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे पर भले ही पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शिवसेना यूबीटी के सांसदों को एकजुट रखने में सफल रहे थे लेकिन शिंदे की अगुवाई वाली शिंदे गुट से झटके पर झटके पर मिल रहे हैं। ताजा मामले में शिवसेना यूबीटी को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी ने जिस महिला नेत्री को चार दि पहले प्रवक्ता नियुक्त किया था। वह संजना घाडी शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गई हैं। बहुप्रतीक्षित बीएमसी चुनावों को देखते हुए हाल ही में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी ने मीडिया प्रवक्ताओं की नियुक्ति की थी। रविवार को संजना घाडी अपने पति संजय घाडी के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हो गई। इसे शिंदे गुट के 'ऑपरेशन टाइगर' का हिस्सा माना जा रहा है ।संजना घाडी की गिनती शिवसेना यूबीटी की मजबूत महिला प्रवक्ताओं में होती थी। संजना और उनके पति के साथ काफी कार्यकताओं के शिवसेना से जुड़े पर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि शिवसेना मालिकों की नहीं, कार्यकताओं की पार्टी है। मैं भी आपकी तरह एक आम कार्यकर्ता हूं। संजना घाडी ने शिंदे गुट में जाने के बाद कहा कि उद्धव ठाकरे अपने आस-पास के लोगों की गलत सलाह के आधार पर गलत फैसले ले रहे हैं। विधानसभा चुनाव में गलत उम्मीदवारों को टिकट दिए गए, जिससे मेरे क्षेत्र के कई नेता और कार्यकर्ता निराश हैं। घाडी ने कहा कि जब प्रवक्ताओं की सूची जारी की गई थी, तो मेरा नाम पहले गायब था और बाद में जोड़ा गया। मैंने ऐसा क्या गलत किया कि मुझे बाहर रखा गया ?अक्तूबर में संभव है बीएमसी चुनावमुंबई में बीएमसी चुनाव अक्तूबर महीने में संभव हैं। मुंबई महानगरपालिका पर लंबे समय से उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना का कब्जा रहा है लेकिन जिस तरह से नेता पार्टी छोड़ रहे हैं।

उसे उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। मुंबई में आखिरी बार बीएमसी चुनाव 2017 में हुए थे। इसके बाद चुनाव तब उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना ने 84 सीटें जीती थीं। विधानसभा चुनावों कारारी हार और शिंदे गुट के मजबूत होने के बाद उद्धव ठाकरे के सामने बीएमसी की सत्ता बचाने की चुनौती है।

बीएमसी में चुनी हुई बॉडी का कार्यकाल खत्म होने से अभी प्रशासक कामकाज देख रहे हैं।

दो विकलांग बच्चों के माता-पिता भी गोद ले सकते हैं तीसरा बच्चा... बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा, अगर दो विकलांग बच्चों के माता-पिता एक और सामान्य बच्चा गोद लेना चाहते हैं तो कुछ गलत नहीं है। अदालत ने अधिकारियों को दंपति की याचिका पर फिर से विचार करने का आदेश दिया है। अदालत ने केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के फैसले को रद्द कर दिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर दो विकलांग बच्चों के माता-पिता एक और, यानी तीसरा सामान्य बच्चा गोद लेना चाहते हैं, तो इसमें कोई गलत बात नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों को मुंबई के एक दंपती की अर्जी पर फिर से विचार करने का आदेश दिया है। इसके लिए उन्हें छह हफ्ते का समय दिया गया है। दरअसल, सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी ने 2023 में एक फैसला लिया था। इस फैसले में कहा गया था कि अगर किसी दंपती के पहले से ही दो बच्चे हैं, तो वे तीसरा बच्चा गोद नहीं ले सकते। हाई कोर्ट ने उअफअ के इस फैसले को रद्द कर दिया है ।दंपती का कहना है कि उनके दोनों बच्चे, जिनका जन्म 2014 और 2019 में हुआ था, विकलांग हैं। वे 'पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट' के तहत आते हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि ऐसे में दंपती तीसरा सामान्य बच्चा गोद ले सकते हैं। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस अद्वैत सेठना ने 7 अप्रैल को एक आदेश में कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है अगर वे एक नई उम्मीद और आशा के साथ अपने परिवार में एक और सदस्य को शामिल करना चाहते हैं। ऐसा करके वे आपसी संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं और जीवन को और अधिक सार्थक बना सकते हैं ।गोद लेने के नियमों में कुछ खास मामलों में छूट देने का प्रावधानहाई कोर्ट ने यह भी कहा कि 2022 में बने गोद लेने के नियमों में कुछ खास मामलों में छूट देने का प्रावधान है। दंपती का मामला भी कुछ ऐसा ही है। इसलिए नियमों को समग्र रूप से लागू किया जाना चाहिए था। कोर्ट ने आगे कहा कि किसी भी कानून का यह मतलब नहीं हो सकता कि दो विकलांग बच्चों वाले दंपती को सामान्य बच्चा गोद लेने से रोका जाए। कोर्ट ने कहा कि मानव जीवन आकांक्षाओं, उम्मीदों और चुनौतियों का एक मिश्रण है। बच्चों के साथ गहरे संबंध जीवन को सार्थक बनाते हैं और संतुष्टि देते हैं।

बच्चा गोद लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया

बता दें कि दंपती ने 10 सितंबर, 2022 को उअफअ पोर्टल पर बच्चा गोद लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। उस समय 2017 के गोद लेने के नियम लागू थे। उनकी अर्जी पर विचार चल ही रहा था कि 22 सितंबर, 2022 को नए नियम आ गए। इन नियमों के अनुसार, जिन दंपतियों के पहले से ही दो बच्चे हैं, उन्हें केवल 'विशेष जरूरतों' वाले या 'मुश्किल से रखे जाने वाले' बच्चे ही मिल सकते हैं।

पहाड़ों के बीच प्रगति का सेतु अंजी खड्ड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जब घाटियां गहरी होती हैं और पहाड़ रास्ता रोकते हैं, तब इंसान के सपने ऊंचे हो जाते हैं। कश्मीर के दिल तक पहुंचने के इन्हीं ऊंचे सपनों ने फिर से एक नई कहानी को जन्म दिया है। ये कहानी एक पुल की है जो सिर्फ लोहे और केबल से नहीं, हिम्मत और हुनर से भी बना है। ये कहानी है भारत के पहले केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज- अंजी खड्ड ब्रिज की जो जम्मू-कश्मीर की चुनौतीपूर्ण घाटियों के बीच, अंजी नदी की गहरी खाई को पाटता है। कटरा और रियासी के बीच कनेक्टिविटी को एक नया आयाम देने जा रहा यह अद्भुत संरचना भारतीय इंजीनियरिंग के आत्मविश्वास और कौशल की मिसाल है। यह ब्रिज उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (वरइफछ) परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो कटरा-बनिहाल रेल खंड में बनाया गया है। ऊबड़-खाबड़ रास्ते और कठिन भौगोलिक परिस्थितियाँ जैसी सभी सीमाओं को पार कर यह ब्रिज घाटी को देश के बाकी हिस्सों से और मजबूती के साथ जोड़ रहा है ।आकर्षक डिजाईन के साथ बने इस ब्रिज का निर्माण कार्य सिर्फ 11 महीने में ही पूरा कर लिया गया है जो नदी तल से 331 मीटर ऊंचाई पर स्थित है जबकि नीव से 193 मीटर ऊंचा एक मजबूत सेंट्रल पायलन पर टिका हुआ है, जो इसकी पूरी संरचना को संतुलन में रखता है। अंजी खड्ड ब्रिज, चिनाब ब्रिज के बाद भारत का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज भी है। इस ब्रिज को 96 केबलों के सहारे बनाया गया है जिनका कुल वजन 849 मीट्रिक टन और कुल लंबाई 653 किलोमीटर है। 725 मीटर लम्बे इस ब्रिज की संरचना में 8,215 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है।

मौजूदा आवश्यकताओं के मद्देनजर बने इस ब्रिज से जम्मू-कश्मीर के विकास के तार जुड़े हुए हैं। यह ब्रिज घाटी के दूर-दराज इलाकों में बसे गांवों और कस्बों का बड़े शहरों के साथ सीधा संपर्क स्थापित करता है जिससे विकासशील जगहों पर चिकित्सा, शिक्षा और अन्य सुविधाओं की उपलब्धता आसान हो जाएगी। बेहतर कनेक्टिविटी के वजह से स्थानीय लोगों लिए रोजगार के नए अवसरो का सृजन होगा साथ ही घाटी में व्यापार और पर्यटन को भी जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

पुल की कुल लंबाईः 725 मीटर
नदी के तल से ऊंचाईः 331 मीटर
सेंट्रल पायलन की ऊंचाईः 193 मीटर
केबल की संख्याः 96
केबल का कुल वजनः 849 मीट्रिक टन
केबल की कुल लंबाईः 653 किलोमीटर
निर्माण में कुल स्टील का इस्तेमालः 8,215 मीट्रिक टन

महायुति में कोई कलह नहीं, सब कुछ ठीक है', एकनाथ शिंदे ने फूट की अफवाहों को किया खारिज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति गठबंधन में फूट की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि सब कुछ ठीक है और कोई कलह नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई समस्या होती भी है तो उसे बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। शिंदे की यह प्रतिक्रिया उन खबरों के बाद आई जिसमें कहा गया था कि उन्होंने अजीत पवार के खिलाफ अमित शाह से शिकायत की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में महायुति के भीतर फूट पड़ने की अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में सब कुछ ठीक है। यदि कोई मुद्दा होगा तो उसे बातचीत के जरिये सुलझा लिया जाएगा।'महायुति में कोई कलह नहीं'उप मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि महायुति में कोई कलह नहीं है। सब कुछ ठीक है। हम काम करते हैं और शिकायत नहीं करते। शिवसेना नेता उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनमें कहा गया था कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उप मुख्यमंत्री अजीत पवार के बारे में शिकायत की ।पवार ने संवाददाताओं से कहा कि यदि एकनाथ शिंदे को कुछ कहना है तो वह सीधे मुझसे या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात करें। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं।

'शिवाजी, शिवाजी... शाह ने ऐसा जिक्र कर महाराज का अपमान किया, केस दर्ज करें': संजय राउत

- संजय राउत ने अमित शाह पर शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया
- राउत ने शिंदे, फडणवीस पर भी निशाना साधा, उन्हें चुप रहने पर लताड़ा
- मुख्यमंत्री को अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई करने की सलाह दी गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया है। संजय राउत ने कहा कि अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने रायगढ़ में छत्रपति शिवाजी महाराज के मेघडंबरी के सामने औरंगजेब की कब्र को समाधि बताया। राउत ने पूछा कि क्या औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था? इसलिए अमित शाह को उससे इतना प्यार है? उन्होंने कहा कि हिंदुत्व के दुश्मन की कब्र को समाधि का दर्जा देने का बयान देश के गृहमंत्री के मुंह से निकला ।फडणवीस, शिंदे, अजित पवार पर भी हमलाराउत ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज बगल में बैठे थे। उन्हें इस बात का बुरा लगना चाहिए था। उन्होंने कहा कि शिवराया के ढोंगी भक्त एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस या अजित पवार को भी इस पर आपत्ति होनी चाहिए थी। राउत ने कहा कि अगर समाधि शब्द किसी और के मुंह से निकला होता तो तिकड़ी में से दादा संयमी हैं। लेकिन फडणवीस और शिंदे ने हायतौबा मचा दिया होता। उन्होंने कहा कि कल किसी के मुंह से एक शब्द नहीं निकाला।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

रेल भवन में याद किए गए बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर श्री वैष्णव ने बौद्ध धर्म गुरुओं से सशक्त भारत के निर्माण के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। बौद्ध धर्म गुरुओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बाबा साहेब अम्बेडकर की तस्वीर देकर उनका सम्मान किया।

इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन व सीईओ श्री सतीश कुमार तथा रेलवे बोर्ड के दूसरे सदस्यों ने भी संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए।

शराब पीकर वाहन चलाया, तो दिखेगा डिजिटल बोर्ड पर नाम-पता, 6 महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस होगा सस्पेंड

मुंबई में शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जानकारी अब सार्वजनिक होगी। ट्रैफिक पुलिस ऐसे लोगों के नाम डिजिटल बोर्ड पर दिखाएगी। सोशल मीडिया पर भी जानकारी उपलब्ध रहेगी। पिछले नौ दिनों में 63 लोगों पर केस दर्ज हुआ है। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना और जेल भी हो सकती है। ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द हो सकता है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः शराब पीकर वाहन चलाने वालों का नाम, पता और उनके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई को अब हर कोई देख सकेगा। ट्रैफिक पुलिस अब आरोपी की जानकारी सार्वजनिक करने जा रही है। इसके तहत शहर के विभिन्न मार्गों पर लगे डिजिटल बोर्ड पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों का नाम दिखाई देगा। उन्हें चेतावनी देने वाला मैसेज और शराब के गंभीर परिणामों के बारे में भी सतर्क किया जाएगा ।फिलहाल, ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर जानकारी सार्वजनिक कर रही हैं, जिनमें नशे के आरोपियों के नाम, उनके खिलाफ लगाई धाराएं, पता और उनकी आयु शामिल रहती है। गौरतलब है कि प्रशासन द्वारा जारी यह पहल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करने की दिशा में अहम कदम है। पिछले 9 दिनों में 63 शराबी वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज हो चुके हैं ।6 महीने तक निलंबित रहेगा ड्राइविंग लाइसेंसट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि डिजिटल बोर्ड शहर की विभिन्न सड़कों पर इस तरह लगाए जाएंगे कि वाहन चालकों की नजर में तुरंत आ जाएं। इन संदेशों में न सिर्फ शराब पीकर वाहन चलाने के खतरे बताए जा रहे हैं, बल्कि कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी जा रही है। सोशल मीडिया के जरिए आरोपियों के नाम भी सार्वजनिक किए जा रहे हैं और लाइसेंस को कैंसल करने की भी प्रक्रिया जारी है। इसका मकसद है कि लोग नशा कर गाड़ी न चलाएं ।2,500 रुपये तक जुर्मानासंयुक्त आयुक्त कुंभारे ने बताया कि ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 के तहत केस दर्ज किए जा रहे हैं, जो दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर लागू होती है। इस धारा के तहत तीन महीने तक की जेल, 2,500 रुपये तक जुमार्ना या दोनों सजा का प्रावधान है। गंभीर मामलों में और भी कड़े दंड तय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बार-बार इस तरह का अपराध करता है, तो उसके ड्राइविंग लाइसेंस का निलंबन छह महीने तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में अग्निशमन सेवा सप्ताह शुरू, मनपा आयुक्त सौरभ राव ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,अग्निशमन दिवस के अवसर पर ठाणे मनपा अग्निशमन विभाग ने सेवा सप्ताह का आयोजन किया है।सप्ताह की शुरूआत सोमवार सुबह शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि के साथ हुई।इस अवसर पर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बालकुम फायर स्टेशन स्थित शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर ठाणे मनपा के उपायुक्त उमेश बिरारी, उपायुक्त (अग्निशमन विभाग) दिनेश तायडे, उपायुक्त शंकर पटोले, अग्निशमन विभाग प्रमुख गिरीश झलके, आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी और अन्य उपस्थित थे। साथ ही, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा एसोसिएशन की दान पेटी का उद्घाटन गणमान्यों द्वारा किया गया।14 अप्रैल 1944 को मुम्बई बंदरगाह पर खड़ी एक नाव में गोला-बारूद के कारण अचानक आग लग गई। मुंबई अग्निशमन विभाग के 66 अधिकारी और कर्मचारी वहां लगी भीषण आग को बुझाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में शहीद हो गए।अग्निशमन दिवस उनकी याद में मनाया जाता है।उस अवसर पर ठाणे अग्निशमन विभाग की ओर से 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनपा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।इसमें विभिन्न प्रतिष्ठानों और सोसायटियों में अग्नि सुरक्षा पर प्रदर्शन किए जाएंगे।

गुरु अपने लिए नहीं, समाज के लिए लड़ता है; यह आदर्श भावी पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा - देवेन्द्र फडणवीस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , कोई भी गुरु अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए लड़ता है। उन्होंने हमारे सामने यह आदर्श रखा उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए काम करना होगा। यह वक्तव्य मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नवी मुंबई के गुरुद्वारा के पास एनएमएमसी ग्राउंड में आयोजित गुरमत समागम कार्यक्रम में दिया है। इस अवसर पर वन मंत्री गणेश नाईक, विधायक मंदा ताई म्हात्रे, विधायक प्रशांत ठाकुर, डॉ संजीव नाईक, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता दल के प्रमुख रामेश्वर नाईक, नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ कैलाश शिंदे और अन्य गणमान्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि गुरुमत समागम कार्यक्रम में गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।इसे प्राप्त करने के लिए उपस्थित होना मेरा सौभाग्य है। हम सभी गुरुजी का आशीर्वाद चाहते हैं।उन्होंने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब के माध्यम से जो विचार हम तक पहुंचते हैं, वे न केवल सिख समुदाय के कल्याण के लिए हैं, बल्कि पूरी मानव जाति के कल्याण के लिए हैं।उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव साहिब ने जो विचार पूरे देश को बताए, वे न केवल सिख समुदाय के कल्याण के लिए हैं, बल्कि पूरी मानव जाति के कल्याण के लिए हैं।परिणामस्वरूप, एक बड़ा नानकवादी समुदाय उभरा, जिसमें सिख समुदाय के साथ-साथ सिंधी, लमनी, बंजारा , शिकलगर समुदाय भी शामिल था।हमें उन विचारों पर काम करना होगा जो गुरु नानक देव साहेब ने हमारे सामने रखे थे। उन्होंने कहा कि दस गुरुओं की परंपरा बहुत महान है।हमारे शिक्षकों ने हमें न केवल विचार दिए हैं, बल्कि लड़ने का साहस और शक्ति भी दी है। गुरु तेग बहादुर सिंह की शहादत की 350 वीं वर्षगांठ चल रही है।आज भी इन्हें ₹हिंद की चादर₹ कहा जाता है। उन्होंने कश्मीरी पंडितों को उत्पीड़न से मुक्त कराने के लिए लड़ाई लड़ी। गुरु गोबिंद सिंह ने इस विरासत को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार गुरु पर्व उत्सव में भाग लेगी। सरकार के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। गुरु की कहानी को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।पंजाब साहित्य अकादमी का पुनर्निर्माण किया गया है।इससे उन्हें आम जनता तक पहुंचने में मदद मिलेगी।ग्यारह लोगों की एक समिति बनाई गई है और इस समिति के माध्यम से संवाद किया जा रहा है। समाज के लिए आवश्यक मामलों की जानकारी इस समिति के माध्यम से सरकार तक पहुंचाई जाती है। विस्थापित लोगों और पूजा स्थलों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। जिस प्रकार मदरसों को सहायता दी जाती है, उसी प्रकार सरकार शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को भी सहायता प्रदान करेगी। इस अवसर पर आयोजकों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मुख्यमंत्री का विशेष अभिनंदन भी किया गया।

फास्ट ट्रैक

डॉ. शुक्ल ने किया विंध्य क्षेत्र की महिमा का बखान

मिर्जापुर में भागवत कथा का पहला दिन, भक्ति-ज्ञान-वैराग्य के महत्व पर दिया प्रवचन

मिर्जापुर, श्रीमद्भागवत सप्ताह के पहले दिन कथावाचक डॉ. ब्रह्मानन्द शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र की महिमा का बखान किया।उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भागवत कथा सुनने का पुण्य कई गुना अधिक होता है।डॉ. शुक्ल ने तिवराने टोला स्थित डॉ. भवदेव पाण्डेय शोध संस्थान में व्यास पीठ से कथा का प्रारंभ किया।उन्होंने बताया कि श्रीमद भागवत कथा जाति-धर्म से परे है।यह सभी के लिए है।कथा में देवर्षि नारद की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि नारद के पास वीटो पॉवर था।वे नारायण, ब्रह्मा और भोलेनाथ तक के पास बिना किसी रोक-टोक जा सकते थे।डॉ. शुक्ल ने एक रोचक प्रसंग सुनाया जिसमें नारद ने वृंदावन में एक विलाप करती युवती को देखा।वह युवती भक्ति थी और उसके साथ बेहोश पड़े दो वृद्ध उसके पुत्र ज्ञान और वैराग्य थे।डॉ. शुक्ल ने स्पष्ट किया कि भगवान की कृपा पाने के लिए केवल भक्ति ही नहीं, बल्कि ज्ञान और वैराग्य का होना भी आवश्यक है।उन्होंने कहा कि भागवत कथा को सिर्फ सुना नहीं जाता, बल्कि इसके रस का पान किया जाता है।कथा से पहले कलश-यात्रा निकाली गई।इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।बीच में आई आंधी-तूफान और वर्षा को प्रकृति की कृपा माना गया। जेआरडी राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर पाण्डेय ने डॉ. शुक्ल का स्वागत किया।

विंध्याचल धाम में भक्तों का रिकॉर्ड जुटान

3 लाख श्रद्धालुओं ने किए मां के दर्शन, मुंडन-जनेऊ संस्कार के लिए उमड़ी भीड़

मिर्जापुर, विंध्याचल धाम में सोमवार को अभूतपूर्व भीड़ देखी गई।मुंडन और जनेऊ के शुभ मुहूर्त के कारण मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।दोपहर 12 बजे तक करीब 3 लाख भक्तों ने मां के दरबार में दर्शन-पूजन किया।धाम की चारों दिशाओं से आने वाले मार्गों पर भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दी।मां के जयकारों से पूरा धाम गुंजायमान हो उठा।भीड़ के कारण अटल चौक, रेहड़ा पुल, पटेगरा रोड, पुरानी और नई वीआईपी मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।सड़कों पर लगभग 2 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें देखी गईं।स्थानीय प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया।जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सतर्क है।पंडा समाज के सचिव भानु पाठक ने बताया कि धाम में भक्तों का आना जारी है।अध्यक्ष पंकज द्विवेदी के अनुसार, भीड़ को देखते हुए पंडा समाज की भी विशेष ड्यूटी लगाई गई है।श्रद्धालुओं का कहना है कि वे मां विंध्यवासिनी का आशीर्वाद लेने आए हैं।जाम की स्थिति के बावजूद वे अपनी यात्रा पूरी करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

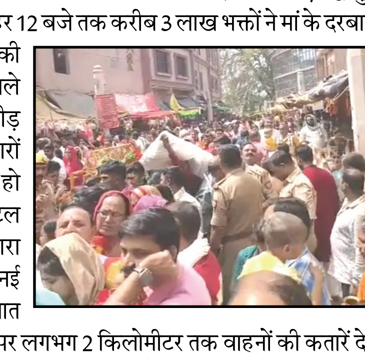

बदलापुर पूर्व के गांधी चौक परिसर में स्थित पानी की टंकी धोखादायक अवस्था में

स्थानीय नागरिकों ने मजीप्रा से की टंकी के पुनर्निर्माण की मांग।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. बदलापुर इस भीषण गर्मी में पीने के पानी की समस्या का सामना कर रहा है।जैसे जैसे सूर्यदेवता अपना प्रकोप बढ़ा रहे हैं वैसे ही क्षेत्र के लोगों को जलसंकट का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी भीषण परिस्थिति में बदलापुर पूर्व के गांधी चौक परिसर में स्थित महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा निर्मित पानी टंकी जर्जर अवस्था में पहुंचकर किसी बड़ी दुर्घटना की दावत दे रही है। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा 1985 में इस टंकी का निर्माण किया गया था ताकि स्थानीय स्तर पर पानी की समस्या को दूर किया जा सके लेकिन आज 40 वर्षों पश्चात पानी का यह महत्वपूर्ण स्त्रोत जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गया है।इसकी सीढ़ियां और अन्य हिस्से जगह जगह टूट गए हैं। टंकी में जगह जगह दरारें भी आ गई हैं।इसकी दुरावस्था देखते हुए किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका यहां के स्थानीय नागरिक महसूस कर रहे हैं।स्थानीय नागरिकों ने इस टंकी के पुनर्निर्माण के लिए मजीप्रा कार्यालय से मांग की है। मजीप्रा के उप अभियंता सुरेश खादरी ने इस संदर्भ में बताया कि गांधी चौक स्थित पानी की टंकी की दुर्व्यवस्था को लेकर उच्चाधिकारियों से संपर्क किया गया है।मजीप्रा के अधिकारी और कर्मचारी इसका कई बार निरीक्षण भी कर चुके हैं।शीघ्र ही पानी के इस महत्वपूर्ण स्त्रोत का पुनर्निर्माण किया जाएगा।

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती के पर जिला परिषद में पुष्पांजलि

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आज जिला परिषद, ठाणे में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में डा. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी उज्ज्वला सपकाले एवं लेखा अधिकारी (2) रविन्द्र सपकाले ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्व शिवसेना नगर सेवक डिसूजा समेत कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे शहर में भाजपा की ताकत बढ़ रही है और अन्य दलों के पूर्व नगरसेवक और कार्यकताओं के भाजपा में शामिल होने का सिलसिला जारी है।शिवसेना के पूर्व नगर सेवक लॉरेंस डिसूजा, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के उप-मंडल प्रमुख और अंबेडकर आंदोलन के कार्यकर्ता आज भाजपा में शामिल हो गए।भाजपा जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, विधायक संजय केलकर और विधायक निरंजन डावखरे ने कार्यकताओं का पार्टी में स्वागत किया। यह कार्यक्रम भाजपा के ठाणे मंडल कार्यालय में आयोजित किया गया।इन कार्यकताओं ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के नेतृत्व में एक मजबूत और विकसित देश बनाने के लिए भाजपा के साथ आए हैं।लॉरेंस डिसूजा 2012 में शिवसेना के टिकट पर माजीवाडा गांव क्षेत्र से ठाणे नगर सेवक चुने गए थे। उनके साथ उनकी बेटी स्टेफनी डिसूजा और अन्य कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए।इस बीच, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के उपविभाग प्रमुख रामेश्वर बचते और अंबेडकर आंदोलन के महेश चव्हाण ने कई कार्यकताओं के साथ भाजपा का झंडा थाम लिया।ठाणे शहर में भाजपा की संगठनात्मक ताकत बढ़ाने को प्राथमिकता दी जा रही है। आज पार्टी का प्रवेश समारोह आयोजित किया गया। अवसर पर पूर्व गट नेता नारायण पवार, मनोहर डुबरे, पूर्व नगरसे विका स्नेहा आंबरे, महासचिव मनोहर सुगाडेरे, सचिन पाटील, महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष स्नेहा पाटील, युवा मोर्चा शहर अध्यक्ष सूरज दलवी, ओवला-माजीवाड़ा मंडल अध्यक्ष हेमंत म्हात्रे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कांबा सहित कई गांवों के लोग विगत 25 वर्षों से पी रहे है उल्हास नदी का बिना फिल्टर किया हुआ पानी

प्रशासन 5 हजार लोगों को प्रदान कर रहा है प्रदूषित पानी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. ठाणे जिले की महत्वपूर्ण उल्हास नदी 50 लाख लोगों को जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नदी कल्याण मुरबाड रोड स्थित रायते, वरप, कांबा, म्हारळ गांवों की सीमा से बहती है। विगत कुछ वर्षों से औद्योगिक अपशिष्टों और सीवेज से निकलने वाले रसायनों के मिलने से यह नदी प्रदूषण का अड्डा बन गई है।उल्हास नदी में सर्वत्र जलकुंभी फैल गई है।नदी के जीवजंतु नष्ट होने की कगार पर पहुंच रहे हैं। नदी का जल दुर्गंध फैला रहा है। ऐसी परिस्थिति में विगत 25 वर्षों से प्रशासन द्वारा उल्हास नदी का पानी बिना फिल्टर किए कांबा,पांचवां मील, नवथर पाड़ा,वाघेरा पाड़ा,पावशे पाड़ा आदि गांवों के लगभग 5000 नागरिकों को दैनिक उपभोग के लिए आपूर्ति कर रहा है।बिना किसी फिल्टर व ट्रीटमेंट करते हुए उल्हास नदी का प्रदूषित पानी नागरिकों को दिया जा रहा है जिसके कारण यहां के लोगों को त्वचा रोग,नेत्र रोग,फेफड़ों के रोग,लिवर की समस्या व अन्य शारीरिक व्याधियों से ग्रसित हो रहे हैं।अतः इस ओर ध्यान देते हुए जल्द ही प्रशासन को गंभीर कार्यवाही करते हुए इस ओर ध्यान देना चाहिए।ग्रामस्थ और उल्हास नदी बचाओ कृति समिति के कार्यकर्ता निकेश पावशे ने मांग करते हुए कहा कि 5000 कांबा और अन्य गांवों के लोगों को उनके हक का शुद्ध पानी उन्हें प्रदान करना चाहिए।इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो ग्रामस्थों को आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ेगा।

11 मुकदमों का हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

पुलिस ने रेलवे क्रॉसिंग के पास दबोचा, अवैध तमंचा भी बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, निगोही पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है।पुलिस ने रेलवे क्रॉसिंग के पास ग्राम इनायतपुर के रास्ते से एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहल्ला आजाद नगर निवासी विकास राठौड़र के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ।आरोपी के खिलाफ पहले से ही 11 मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने आरोपी को थाने लाकर उचित धाराओं में मामला दर्ज किया है।क्षेत्राधिकारी प्रयांक जैन ने बताया कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है।उन्होंने कहा कि ये अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

एक साल की बेटी के साथ पत्नी को निकाला

लखनऊ में पति ने मांगे 5 लाख रुपए, मना करने पर की मारपीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला ने लखनऊ में रहने वाले अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की शादी पांच साल पहले लखनऊ के एक युवक से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल वाले दहेज में 5 लाख रुपए और अन्य सामान की मांग कर रहे थे। मना करने पर उसे प्रताड़ित किया जाता था। 12 जनवरी को आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके कपड़े फट गए। पीड़िता ने बताया कि उसकी ननद किचन का सामान छिपाकर ताला लगा देती थी।पति और ससुराल वाले पेट्रोल डालकर जलाने की धमकी देते थे। वे कहते थे कि पुलिस में उनकी अच्छी पहचान है, उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा। मारपीट की सूचना पर पुलिस ने पति को समझाया था।लेकिन कुछ दिन बाद फिर प्रताड़ना शुरू हो गई। इसके बाद पति ने मारपीट कर पीड़िता को एक साल की बच्ची के साथ घर से निकाल दिया।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

बाइक सवार की मौत, लखीमपुर-मोहम्मदी रोड पर हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, लखीमपुर-मोहम्मदी रोड पर एक दुर्घटना में 30 वर्षीय बाइक सवार की मौत हो गई।मृतक की पहचान चक भिटारा गांव निवासी शैलेन्द्र के रूप में हुई है।शैलेन्द्र बाइक से शहर की ओर जा रहे थे। भावलखेड़ा के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शैलेन्द्र सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए।राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शैलेन्द्र को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी परिवार को दी। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बीजेपी विधायक की कार पर हमला:पहिए में सरिया घोंप दिया

अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में शामिल होने आए थे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मीरानपुर कटरा विधानसभा क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है। भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह प्रिंस की गाड़ी के टायर में किसी ने लोहे का सरिया घुसा दिया। विधायक डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल होने तिलहर के नवादा गांव में पहुंचे थे। विधायक जब कार्यक्रम से लौटे तब उन्होंने देखा कि उनकी गाड़ी के अगले पहिए में करीब 3 फीट लंबा लोहे का सरिया घुसा हुआ है।विधायक ने पुलिस वालों पर लापरवाही का आरोप लगाय है। आश्चर्य की बात यह है कि यह घटना जैतीपुर थानाध्यक्ष और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुई। विधायक ने स्थानीय पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने और उनके समर्थकों ने इस मामले को मुख्यमंत्री तक ले जाने की चेतावनी दी है।जैतीपुर थाना अध्यक्ष गौरव त्यागी इस घटना से हैरान हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव ने कहा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

अधीक्षण अभियंता ने जले खेतों का किया निरीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाओं के बाद अधीक्षण अभियंता जेपी वर्मा ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुवायां के उमरिया गांव में प्रभावित खेतों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन में पुराने जीआई वायर लगे हुए थे। अधीक्षण अभियंता ने मौके पर ही इन पुराने तारों को बदलने का काम शुरू करवा दिया। इसके बाद उन्होंने सिंधौली उपकेंद्र का निरीक्षण किया। यहां उपस्थिति पंजिका में 27 कर्मियों के हस्ताक्षर मिले, जबकि मानक के अनुसार केवल 23 संविदाकर्मियों की नियुक्ति होनी चाहिए थी।मुड़िया पवार उपकेंद्र में भी यही स्थिति मिली, जहां 21 कर्मचारी तैनात थे जबकि नियम के अनुसार 17 ही होने चाहिए थे। अधीक्षण अभियंता ने 8 नवंबर को दिए गए निदेर्शों की अवहेलना पर नाराजगी जताई।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

बांग्लादेशियों के इजराइल जाने पर यूनुस सरकार की रोक

लोगों के पासपोर्ट पर मैसेज- इजराइल के लिए वैध नहीं, गाजा में गोलाबारी के चलते फैसला

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बांग्लादेशी लोगों के इजराइल जाने पर रोक लगाई है। गाजा में इजराइली सेना के हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए सरकार ने ये फैसला लिया है। बांग्लादेशी लोगों के पासपोर्ट्स पर सरकार ने फिर से इजराइल के लिए मान्य नहीं लिखना शुरू कर दिया है। 2021 में शेख हसीना सरकार ने पासपोर्ट्स से ये लाइन हटाने का निर्देश दिया था। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने पासपोर्ट और इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने विदेश जा रहे नागरिकों के ट्रैवल परमिट पर फिर से ये लाइन लिखने का निर्देश जारी किया है- ये पासपोर्ट इजराइल को छोड़कर सभी देशों में वैध है। गृह मंत्रालय के सिक्योरिटी सर्विसेज डिवीजन की डिप्टी सेक्रेटरी नीलिमा अफरोज ने बताया कि ये आदेश 7 अप्रैल को जारी किया गया है। 17 करोड़ की आबादी वाला मुस्लिम बहुल बांग्लादेश इजराइल के साथ डिप्लोमैटिक संबंध नहीं रखता है और

आजाद फिलिस्तीन का समर्थन करता है। पुराने बांग्लादेशी पासपोर्ट्स पर एक लाइन लिखी रहती थी- ये पासपोर्ट इजराइल को छोड़कर बाकी सभी देशों में वैध है। 2021 में तत्कालीन ढट शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने इस लाइन को पासपोर्ट्स से हटा दिया था। उस वक्त अधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने इजराइल को लेकर अपना रुख नहीं बदला है, ये कदम सिर्फ पासपोर्ट्स का इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए उठाया गया है। उस वक्त बांग्लादेश के विदेश मंत्री रहे एके अब्दुल मोमिन ने कहा था कि बांग्लादेश से कोई इजराइल घूमने नहीं जा सकता है और अगर कोई जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पासपोर्ट्स से लाइन हटाने के बाद बांग्लादेशियों को ये अनुमति दी गई कि अगर उन्हें किसी तीसरे देश से वीजा मिल जाता है, तो वे इजराइल जा सकते हैं। इस ऐलान के एक दिन पहले ही हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सिलहट, चटगांव, खुलना, बरिशाल, कमिला और ढाकाकी सड़कों पर उतरकर गाजा में इजराइली हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था। लोग फिलिस्तीनी झंडे लेकर फिलिस्तीन को आजाद करो के नारे लगा रहे थे। इजराइल विरोधी प्रदर्शनकारियों ने कई इंटरनेशनल ब्रांड्स की दुकानों में लूटपाट और तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारी बाटा, पिज्जा हट और प्यूमा जैसे ब्रांड के शोरूम में घुस गए और वहां रखे सामान को नुकसान पहुंचाया। माना जा रहा है कि ये हिंसा उन फेक न्यूज के चलते फैली, जिनमें ये दावा किया गया था कि ये कंपनियां इजराइल से जुड़ी हैं। मुख्य प्रदर्शन ढाका यूनिवर्सिटी के पास सुहरावार्डी उद्यान में हुई। यहां कई लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली ढट बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों से मारपीट करते दिखे। पूर्व बांग्लादेशी ढट खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और राइट विंग के इस्लामिक समूहों और पार्टियों ने इस प्रदर्शन को लेकर अपना समर्थन जताया। इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को कतर में युद्ध विराम हुआ था, लेकिन 18 मार्च को गाजा में इजराइली एयरस्ट्राइक के बाद यह खत्म हो गया। इसके बाद से अब तक इजराइली हमले में 1000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जबकि 3000 से ज्यादा घायल हैं। इजराइल ने शनिवार देर रात सेंट्रल गाजा में हवाई हमले किए। इन हमलों की चपेट में स्थानीय अस्पताल भी आ गया।

चीन के बाद अब अमेरिका की बलूचिस्तान में होगी एंट्री

पाकिस्तान में लीज पर माइनिंग करेगा यूएस, बलूच विद्रोहियों से निपटना मकसद

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान अपने सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में विद्रोह झेल रहा है। ऐसे में वह अब इस इलाके में अमेरिका की एंट्री कराने का प्लान बना रहा है। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने अमेरिका को माइनिंग लीज देने का प्लान बनाया है। इसका मकसद अरबों डॉलर के खनिज संसाधनों का खनन और साथ में बलूच विद्रोहियों के हमले को रोकना है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान की शहबाज सरकार और सेना का मानना है कि यदि अमेरिका इस क्षेत्र में निवेश करता है तो बलूच के हमले कम हो जाएंगे। और यदि हमले होते हैं तो अमेरिका ही

बलूच विद्रोहियों से निपटेगा और अपने निवेश की सुरक्षा करेगा। एक सैन्य सूत्र ने बताया कि सेना का मानना है कि अमेरिका की एंट्री मतलब सिर्फ डॉलर नहीं, ड्रोन भी होंगे। इससे विद्रोह को कुचलना आसान होगा। इस डील को लेकर अमेरिका के सेंट्रल एशिया मामलों की ब्यूरो के सीनियर अधिकारी एरिक मेयर ने बीते दिनों पाक सेना व सरकार के अधिकारियों से इस्लामाबाद में बैठक की है।

इसमें डील फाइनल करने पर सहमति बनी है। पिछले 5 वर्षों में पाकिस्तान की चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ी है। 2019 से 2023 के बीच, पाक के हथियारों का लगभग 81% आयात चीन से हुआ है। साथ ही, पाक चीन पर लोन के लिए भी निर्भर है। रिपोर्ट के अनुसार बीते 3 वर्षों में विदेशों से लिए गए कुल लोन में से 72% लोन पाक ने चीन से लिया है। चीन से बढ़ती दोस्ती व पूर्व पीएम इमरान खान के कार्यकाल के दौरान उनके बयानों के चलते पाक के रिश्ते अमेरिका से कमजोर हुए हैं। सेना इस डील के जरिए रिश्ते मजबूत करना चाहती है। 5 वर्षों में खनिजों की भू-राजनीति में बदलाव आया है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग से जुड़ा है। लिथियम, कोबाल्ट, तांबे जैसे बैटरी मिनरल्स की डिमांड 2040 तक चौगुनी होगी। अमेरिकी सेना इनकी सबसे बड़ी खरीदार बनकर उभरी है। उसके ड्रोन, टोही रोबोट और ऊर्जा-आधारित हथियार पूरी तरह बैटरी पर निर्भर हैं। विश्लेषक इलियास के मुताबिक, 2027 तक अमेरिकी सेना अपने गैर लड़ाकू बेड़े को पूरी तरह बैटरी से चलने वाले वाहनों में बदलने की योजना बना रही है। पाकिस्तान के पास दुनिया के पांचवें सबसे बड़े कॉपर भंडार हैं।

चीन ने कीमती मेटल्स की सप्लाई रोकी

गाड़ी, हथियार, एयरक्राफ्ट महंगे होंगे; अब ट्रम्प बोले – इलेक्ट्रॉनिक सामान पर भी टैरिफ लगाऊंगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर रोक लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ेगा। ये महंगे हो जाएंगे। चीन ने 4 अप्रैल को इन 7 कीमती धातुओं के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। आदेश के मुताबिक ये कीमती धातुएं और उनसे बने खास चुंबक सिर्फ स्पेशल परमिट के साथ ही चीन से बाहर भेजे जा सकते हैं। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स को जैसे को तैसा टैरिफ से छूट दी गई है, लेकिन यह कुछ ही समय के लिए है। उन्होंने सेमीकंडक्टर सेक्टर और पूरी इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन की

जांच शुरू करने का ऐलान किया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से टैरिफ लगाया जाएगा। इससे पहले अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने कहा था कि स्मार्टफोन और कंप्यूटर समेत दूसरी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को दी गई छूट अस्थायी है। उन्होंने कहा कि अगले 2 महीनों में इन चीजों पर एक अलग टैरिफ लगाने का प्लान है। इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। लुटनिक ने कहा कि नए टैरिफ नेशनल सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए लगाए जाएंगे, ताकि इन प्रोडक्ट का उत्पादन अमेरिका में हो सके। अमेरिकी कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) ने शनिवार को नोटिस जारी कर कहा था कि स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स को रेसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी गई है। इस फैसले को कई अमेरिकी टेक कंपनियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। पिछले हफ्ते ट्रम्प की टैरिफ नीति में लगातार बदलाव से वॉल स्ट्रीट में 2020 की कोविड महामारी के बाद से सबसे बड़ी उथल-पुथल देखी गई। स्टैंडर्ड एंड पूअर्स 500 इंडेक्स 20 जनवरी को ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद से 10% से ज्यादा गिर गया। ट्रम्प के 145% के जवाब में चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को अमेरिकी आयात पर अपने टैरिफ को भी 125% तक बढ़ा दिया था। हालांकि, चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने रविवार को अमेरिका से अपील की थी कि वह रेसिप्रोकल टैरिफ पूरी तरह से खत्म कर दे। चीनी मंत्रालय ने कहा था कि शेर के गले में बंधी घंटी को सिर्फ वही इंसान खोल सकता है जिसने उसे बांधा है। अमेरिका अपनी गलतियों को सुधारने के लिए एक बड़ा कदम उठाए। रेसिप्रोकल टैरिफ की गलत प्रथा को पूरी तरह से रद्द करे और आपसी सम्मान के रास्ते पर लौट आए। अमेरिका के साथ चल रहे टैरिफ वॉर के बीच चीन ने कुछ दिन पहले कहा था कि वह अमेरिका के आगे जबरदस्ती झुकने के बजाय आखिर तक लड़ना चुनेगा।

अफगानिस्तान सीमा पर रूस ने उतार दी अपनी सेना, भारत भी तैयार !

एजेंसी

भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में हलचल मच गई है। अफगानिस्तान की सीमा पर रूस ने अपनी सेना भेज दी है। रूस की सेना ने तजाकिस्तान के साथ मिलकर अफगानिस्तान की सीमा पर जबरदस्त युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। इस युद्धाभ्यास में ड्रोन, टैंक, 24 हेलीकॉप्टर सहित कई खतरनाक सैन्य उपकरण मैदान में उतार दिए गए हैं। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ है कि रूस को अफगानिस्तान के पास अपनी सेना भेजनी पड़ गयी है। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ है कि अफगानिस्तान के पास रूस को अपनी सेना भेजनी पड़ गई है और क्या भारत

अफगानिस्तान में आने वाले तूफान से निपटने के लिए तैयार है ? अफगानिस्तान में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत कूदा और उसके बाद भारत और चीन को अफगानिस्तान में रोकने के लिए अमेरिका कूद पड़ा। मगर अब अमेरिका को आने से रोकने के लिए रूस ने भी अपनी सेना अफगानिस्तान की सीमा पर बैठा दी है। दरअसल, ये सारा बवाल दुनिया के सबसे स्ट्रेटजिक एयर बेस में से एक बगराम एयरबेस में कब्जे के लिए हो रहा है। अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस भारत के बेहद नजदीक है। बगराम एयरबेस से भारत, रूस, चीन, ईरान पाकिस्तान, सेंट्रल एशिया और यहां तक कि यूरोप पर भी नजर रखी जा सकती है। रणनीति के हिसाब से ये दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण इलाकों में से एक है। 2021 में अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद चीन बगराम एयरबेस पर कब्जे की कोशिश में लगा हुआ है क्योंकि चीन बगराम एयरबेस के पास ही अपनी एक न्यूक्लियर फैसिलिटी बना रहा है। इस खबर ने अमेरिका के होश दिए क्योंकि यह इलाका कभी अमेरिका के कब्जे में था।

> अफगानिस्तान में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारत कूदा और उसके बाद भारत और चीन को अफगानिस्तान में रोकने के लिए अमेरिका कूद पड़ा। मगर अब अमेरिका को आने से रोकने के लिए रूस ने भी अपनी सेना अफगानिस्तान की सीमा पर बैठा दी है। दरअसल, ये सारा बवाल दुनिया के सबसे स्ट्रेटजिक एयर बेस में से एक बगराम एयरबेस में कब्जे के लिए हो रहा है।

अमेरिका के 20 साल तक चले अफगानिस्तान युद्ध के दौरान बगराम एयरबेस अमेरिकी सेना का गढ़ था। 20 सालों तक अमेरिका ने अफगानिस्तान और उसके आस पास के देशों पर जितने ऑपरेशन किये हैं वो बगराम एयरबेस पर बैठकर ही किये हैं।

राजस्थान सरकार समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध :भजनलाल शर्मा

एजेंसी

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। शर्मा ने कहा कि बाबासाहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने चार जातियों- - युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है तथा उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया ।मुख्यमंत्री ने कहा भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. आम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेदभाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबासाहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।उनका कहना था कि दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें ह्यसिंबल ऑफ नॉलेजह्ण भी कहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबासाहब आम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है जिसके माध्यम से इन गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। उनके मुताबिक इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है ।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नयी पीढ़ी को आंबेडकर के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है तथा राज्य में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं।

> उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू करने वाला पहला राज्य बना तेलंगाना

अनुसूचित जाति समुदायों को उनकी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थिति के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया है

> आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उक्त स्वीकृति को सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

एजेंसी

देश में पहली बार तेलंगाना ने अनुसूचित जाति (एससी) वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर सोमवार को एक सरकारी आदेश जारी किया, सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की। राज्य सरकार ने पहले एससी वर्गीकरण पर सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति शमीम अख्तर के नेतृत्व में एक आयोग नियुक्त किया था, जिसने सिफारिशें की थीं कि 59 अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कुल 15 प्रतिशत आरक्षण के लिए और जैसे तीन समूहों में

विभाजित किया जाना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना विधानमंडल के निम्नलिखित अधिनियम को 8 अप्रैल 2025 को तेलंगाना के राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और उक्त स्वीकृति को सर्वप्रथम 14 अप्रैल 2025 को तेलंगाना राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है। अनुसूचित जाति के वर्गीकरण पर सरकारी आदेश जारी होने का दिन भारतीय संविधान के निमार्ता अंबेडकर की जयंती के साथ मेल खाता है। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जाति समुदायों को उनकी सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक स्थिति के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया है:

15 आर्थिक और शैक्षिक रूप से वंचित समुदाय वाले समूह ककाे 1 प्रतिशत आरक्षण आवंटित किया गया है।

18 मध्यम रूप से लाभान्वित समुदाय वाले समूह-क्क को 9 प्रतिशत कोटा मिलेगा।

26 अपेक्षाकृत समृद्ध अनुसूचित जाति समुदाय वाले समूह-क्क्कको 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

मीडिया को संबोधित करते हुए सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि सरकारी आदेश (जीओ) आज पहले ही जारी कर दिया गया था और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सौंप दिया गया था। मंत्री ने कहा कहा कि इस समय से तेलंगाना में रोजगार और शिक्षा दोनों में एससी वर्गीकरण प्रभावी है। हमने जीओ जारी कर दिया है और इसकी पहली प्रति मुख्यमंत्री को सौंप दी है।

'कांग्रेस ने संविधान के मूल्यों की रक्षा की', डीके शिवकुमार का बयान

खड़गे ने आंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डाला

एजेंसी

बेंगलुरुः कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने के लिए कांग्रेस के प्रयासों की सराहना की. साथ ही उन्होंने राष्ट्र के संस्थापक सिद्धांतों की रक्षा करने में पार्टी के नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला. भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ बीआर आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि आंबेडकर के नेतृत्व में संविधान के निर्माण में कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. उन्होंने सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया.

शिवकुमार ने कहा, रुकांग्रेस पार्टी ने बाबा साहेब आंबेडकर के नेतृत्व में

देश को संविधान दिया है... कांग्रेस ने संविधान के मूल्यों की रक्षा की है. हमारे नेता पहले दिन से ही संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं.

खड़गे श्रद्धांजलि अर्पित की

इससे पहले सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. बीआर आंबेडकर को उनकी 135वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की.

बंगाल में अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन में कराया जाना चाहिये : शुभेंदु अधिकारी

> कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शनिवार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती का निर्देश दिया। अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुयी हालिया हिंसा के बाद राज्य में कानून-

जब भीड़ उत्पात मचा रही थी, तब सरकार मूकदर्शक बनी रही : अधिकारी

व्यवस्था की स्थिति के पूरी तरह खराब होने का आरोप लगाते हुये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मांग की कि प्रदेश में 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत करवाया जाना चाहिये। अधिकारी ने कहा कि सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज सहित मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में जारी अशांति ने नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में राज्य सरकार की अक्षमता को उजागर किया है ।उन्होंने

दावा किया कि जब भीड़ उत्पात मचा रही थी, तब सरकार मूकदर्शक बनी रही। विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें मतदान करने से रोका जाता है। पुलिस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम करती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत होने चाहिए ।हाल ही में हुई हिंसा के पीछे जिहादी तत्वों का हाथ होने का आरोप लगाते हुए अधिकारी ने कहा, इन समूहों को बेलगाम होने की अनुमति दी गई है। हम उनसे निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन सभी को समान अवसर मिलना चाहिए। निर्वाचन आयोग को चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने पर विचार करना चाहिए ।अधिकारियों ने बताया कि हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने कथित तौर पर भागीरथी नदी पार कर पड़ोसी मालदा जिले में शरण ली है। स्थानीय प्रशासन ने विस्थापित परिवारों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराया है, उन्हें स्कूलों में ठहराया है और नावों से आने वालों की सहायता के लिए स्वयंसेवी दल गठित किए हैं ।अशांति की शुरूआत वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन से हुई, जो जल्द ही झड़पों में बदल गई, जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

संक्षेप

बिस्किट व्यापारी से लूट करने वाले गिरफ्तार

बांदा पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा, 48 हजार रुपए बरामद

बांदा, बिस्किट व्यापारी से हुई एक लाख रुपए की लूट का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लूट के 48 हजार रुपए बरामद हुए हैं।थाना अतर्रा पुलिस ने मुख्य आरोपी छोटू उर्फ अभिषेक गुप्ता को कानपुर से गिरफ्तार किया। छोटू पुरानी बाजार कस्बा का रहने वाला है। वह व्यापारी की रेकी कर रहा था और उसने ही अन्य आरोपियों को लूट की जानकारी दी थी। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन गुप्ता, अरुण कुमार और अंकुल सेन उर्फ छोटू सेन शामिल हैं। अर्जुन गुप्ता टुकरी पुरवा फतेहगंज रोड का रहने वाला है। अरुण कुमार बरछा और अंकुल सेन बंगाली पुरवा के रहने वाले हैं। सभी आरोपी बदौसा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। घटना 10 अप्रैल 2025 को हुई थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, लूट की बाकी राशि की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

कार से खतरनाक स्टंट

बारात में आए युवकों ने नियमों की उड़ाई धज्जियां, पुलिस कर रही तलाश

अमरोहा, नगर कोतवाली क्षेत्र में कैलसा बाईपास पर कार सवार युवकों का खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि युवक चलती कार की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट कर रहे हैं। यह घटना एक दिन पुरानी बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, ये युवक अमरोहा में एक बारात में शामिल होने आए थे। इसी दौरान उन्होंने कार से यह स्टंट किया। वीडियो वायरल होने के बाद यातायात पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस पहचान करने में जुटी पुलिस अब इस कार और उसमें सवार युवकों की पहचान करने में जुटी है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले इन युवकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बेटी की शादी में पिता की हार्ट अटैक से मौत

अमरोहा में अस्पताल से शव आने से पहले ही दुल्हन को बरात के साथ किया विदा

अमरोहा, एक पिता की बेटी की शादी के दौरान दर्दनाक घटना सामने आई। सड़क निर्माण के ठेकेदार कुतुब मलिक (55) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वे मोहल्ला नोगजा के निवासी थे। उनकी दूसरी बेटी की शादी थी। बिजनौर रोड स्थित बैंक्वट हॉल में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। बिजनौर के नहटौर से बरात आई थी। निकाह के बाद जब बराती और मेहमान खाना खा रहे थे, तभी कुतुब मलिक को सीने में दर्द की शिकायत हुई। परिजन तुरंत उन्हें निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शादी के माहौल में मातम छा गया। परिवार ने गमगीन माहौल में दुल्हन को बरात के साथ विदा कर दिया। कुतुब मलिक के परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और दो बेटे हैं।

दलित युवक की हत्या के बाद बवाल

सपा सांसद और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की गाड़ियां घेरीं; हत्यारोपियों के घर तोड़-फोड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, एक 35 साल के युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उसे जिंदा जला दिया। बताया जा रहा है कि युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने गेहूं काटने से मना किया था। सुबह उसकी अधजली लाश मिलने के बाद घर वाले आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने न सिर्फ हत्यारोपियों के घर पर तोड़-फोड़ की थी, बल्कि पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस को 2 घंटे तक लाश भी नहीं उठाने दी थी। घर वालों में इतना गुस्सा है कि अभी तक युवक का अंतिम संस्कार नहीं किया है। वे लोग बॉडी को रोड पर रख कर हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि आरोपियों के घर बुलडोजर चले। वहीं, पीड़ित परिवार से मिलने सपा सांसद उज्जवल रमण सिंह और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। गुस्साए गांव वालों ने उनकी गाड़ियों को भी रोक लिया। हनुमान पर मोरी रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस और सांसद गांव के लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। इसौटा गांव में रहने वाले दलित अशोक कुमार का 35 साल का बेटा देवी शंकर मजदूरी करता था। उसके 3 बच्चे हैं। एक बेटी काजल और दो बेटे सूरज, आकाश हैं। पत्नी की मौत हो चुकी है। वह मां-बाप का अकेला बेटा था। 12 अप्रैल को देवी शंकर को कुछ लोग गेहूं काटने के लिए लेकर गए थे। जब उसने गेहूं काटन से मना किया, आरोपियों ने दलित युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया गया। जिंदा ही दफनाने की तैयारी की, गड्ढा भी खोद लिया था। लेकिन, फिर हमलावरों ने प्लान बदल दिया। देवी शंकर को जलाने के लिए पुआल इकट्ठा करके आग लगा दी। यह वाकया 13 अप्रैल की सुबह 6 बजे का है। तभी खेतों की तरफ गांव के लोगों को आता हुआ देखकर आरोपी भाग निकले। दलित युवक की अधजली लाश मिलने के बाद हंगामा शुरू हो गया। पिता ने पुलिस को बयान दिए कि गांव के छुट्टन सिंह समेत 7 लोगों मिलकर मेरे बेटे को इसलिए मार डाला, क्योंकि वह गेहूं काटने नहीं जा रहा था। यह पूरा मामला यमुनापार के करछना इलाके का है। हत्या की सूचना के बाद जब पुलिस गांव पहुंची, तो लोगों ने शव नहीं उठने दिया। पुलिस के सामने डेडबॉडी रखकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान करीब 1 घंटे तक पुलिस ग्रामीणों को समझाती रही। लोग 7 करोड़ रुपए का मुआवजा, लाइसेंस की सुरक्षा और मकान आवंटित करने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच कुछ लोगों ने मुख्य आरोपी छुट्टन सिंह के घर पर भी धावा बोल दिया। हालांकि पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया।

पुलिस पर हमला, आरोपी को पकड़ने गई थी

परिजनों ने मारपीट कर छुड़ाया, लड़की भगाने का दर्ज है मुकदमा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, आरोपी को पकड़ कर ले जा रही पुलिस टीम पर परिजनों ने हमला कर दिया। आरोपी को छुड़ाने का प्रयास करने लगे। इसी बीच परिजनों और पुलिसकर्मियों के बीच हाथापाई हो गई। मारपीट के दौरान आरोपी पुलिस के चंगुल से छूटकर भाग गया। इसके बाद पुलिस वापस लौट गई। घटना का वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। पुलिस ने मामले में सात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। ये सभी फरार हैं। घटना 11 अप्रैल की होलागढ़ थाना क्षेत्र की है। होलागढ़ थाना क्षेत्र के गांव दहियावां काशीपुर निवासी रविंद्र कुमार सरोज पर लड़की को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया। मगर आरोपी फरार था। 11 अप्रैल को पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी घर पर है। यहां दबिश के दौरान पुलिस ने आरोपी रविंद्र कुमार सरोज को पकड़ लिया। घर वाले इसका विरोध कर हंगामा करने लगे। पुलिस आरोपी को खींचकर ले जाने लगी। तभी परिजनों ने पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। दोनों तरफ से जमकर मारपीट हुई। हंगामा होने पर गांव के लोग भी जुट गए। मारपीट के दौरान आरोपी पुलिस के चंगुल से छूटकर भाग गया। मारपीट के बाद पुलिस वापस लौट आई। पुलिस ने मामले को दबा दिया। सोमवार को मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने लगा। इसके बाद पुलिस ने 7 आरोपियों पर केस दर्ज किया। होलागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपी लड़की को बहला-फुसला कर भगा ले गया था। इसके बाद लड़की की बरामदगी हो गई थी। आरोपी की तलाश में पुलिस टीम गई थी। तभी विरोध कर मारपीट की गई। आरोपियों पर पुलिस कार्रवाई में बाधा डालने की धारा में केस दर्ज किया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सभी 7 आरोपी गांव से भागे हुए हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

धूमधाम से मनी अंबेडकर जयंती

व्यापार मंडल कार्यालय पर सर्वसमाज ने किया माल्यार्पण, लगाए जय भीम के नारे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी में संविधान निमार्ता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। सरकारी और निजी कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गौरीगंज रोड स्थित उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला कार्यालय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष महेश सोनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग अंबेडकर प्रतिमा स्थल पहुंचे। सर्वसमाज के लोगों ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और 'बाबा साहब अमर रहे' के नारे लगाए। विचारों को याद किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेश सोनी ने बाबासाहेब के विचारों को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का संदेश था कि समाज को मजबूत बनाने के लिए एकजुट और शिक्षित रहना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हमें बाबासाहेब के बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

सरकारी सड़क से ईंट चोरी

उखाड़ी खड़ंजा मार्ग की ईंटें, विरोध करने वालों को धमकी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर, भदैया के शिवगढ़ कोतवाली क्षेत्र के जूड़ापट्टी गांव में सरकारी खड़ंजा मार्ग से ईंट चोरी का मामला सामने आया है। सरस्वती और उसकी दो बेटियां रीता और राखी पंचायत निधि से बने खड़ंजा मार्ग की ईंटें निकाल रही थीं। ग्रामीणों ने जब दिन में इन्हें रोका तो तीनों ने रात के अंधेरे में ईंटें उखाड़ना जारी रखा। शिकायतकर्ता मंगरू के अनुसार, आरोपियों ने फावड़े से सैकड़ों ईंटें निकाल लीं।

इससे रास्ता खराब हो गया है और लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। आरोपी महिलाओं का कहना है कि उन्होंने सिर्फ नाली पर रखने के लिए दो-चार ईंटें निकाली थीं। उनका दावा है कि रात में कोई और ईंटें निकाल ले गया। ग्रामीणों ने पहले ग्राम प्रधान को इसकी सूचना दी। फिर शिवगढ़ कोतवाली में नामजद शिकायत दर्ज कराई। खंड विकास अधिकारी को भी मामले से अवगत करा दिया गया है। गांव में इस मामले को लेकर तनाव बना हुआ है। शिवगढ़ कोतवाल पंडित त्रिपाठी ने कहा कि वे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे।

मेडिकल कॉलेज में मरीज का मोबाइल चोरी

पर्चा कटाने की लाइन में खड़े युवक का फोन उड़ाया, घटना सीसीटीवी में कैद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में चोर गैंग सक्रिय हो गया है। मेडिकल कॉलेज में एक मरीज का मोबाइल चोरी की घटना सामने आई है। घटना उस समय हुई जब पीड़ित युवक पर्चा कटाने की लाइन में खड़ा था। चोर ने बड़ी चतुराई से युवक का मोबाइल चुरा लिया। पूरी घटना मेडिकल कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित की शिकायत पर सदर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोर की पहचान करने में जुटी है। इस घटना से मेडिकल कॉलेज में मरीजों और उनके परिजनों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

कथावाचन ने सुनाया कृष्ण-सुदामा की मित्रता का प्रसंग, हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी के इन्हौना में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का समापन भव्य रूप से हुआ।

तिलोई तहसील के सिंहपुर ब्लॉक स्थित इन्हौना में सात दिवसीय कथा के अंतिम दिन भगवान श्री कृष्ण और सुदामा चरित्र का विस्तृत वर्णन किया गया।

कथा व्यास वृंदावन धाम से पधारे श्री लवकुश गोस्वामी जी महाराज ने मनमोहक ढंग से कथा का वर्णन किया। भगवान की लीलाओं को झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान भक्तों ने झूमकर नृत्य किया। कथा का आयोजन इन्हौना चौराहे पर स्थित बाबा साइकिल स्टोर के स्वामी राज लल्लन गोस्वामी द्वारा कराया गया। कथावाचक लवकुश जी महाराज राज लल्लन तिवारी के पुत्र हैं। उन्होंने वृंदावन धाम से शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की है। कथा का शुभारंभ इन्हौना शुकुल बाजार रोड से हुआ था। समापन दिवस पर पूर्ण आहुति और हवन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त पैदल चलकर कथा श्रवण के लिए पहुंचे।

5 साल चला अफेयर, फिर शादी से मुकरा युवक

अलीगढ़ में पीड़िता ने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर की शिकायत, बोली फोन भी नहीं उठा रहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, बनादेवी थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर अपने प्रेमी के खिलाफ तहरीर दी है। उसने पुलिस से बताया कि दोनों के बीच पिछले पांच साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। अब युवक उसका फोन नहीं उठा रहा। पीड़िता ने बताया कि युवक दूसरे समाज से है, लेकिन दोनों के बीच गहरा प्रेम था। दोनों ने एक दूसरे से शादी का वादा भी किया था। युवक के परिवार को भी इस बात की सारी जानकारी है। फिर भी वह न तो फोन उठा रहा है और न ही तो मिलने आ रहा है। युवती का कहना था कि युवक उसके साथ ऐसे कैसे कर सकता है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पांच साल पहले उसकी मुलाकात स्नातक की पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों एक साथ पढ़ते थे और उनकी अच्छी दोस्ती हो गई थी। धीरे धीरे दोनों की दोस्ती प्रेम में बदल गई। युवती ने बताया कि पांच साल तक दोनों एक दूसरे के साथ रहे। दोनों के परिवार के लोगों को भी सारे मामले की जानकारी थी। पढ़ाई के बाद अब युवक की गुरुग्राम में नौकरी लग गई है, तो वह उसका फोन तक नहीं उठा रहा है। जब वह अलीगढ़ आया तो उसने युवती से मुलाकात तक नहीं की। युवक के परिवार वालो ने उसे मिलने से रोक दिया है। पीड़िता और उसकी मां की बात सुनकर पुलिस कर्मी भी हैरान हो गए। पीड़िता का कहना था कि युवक काल नहीं कर रहा है। जिसके कारण वह काफी परेशान है। इसलिए अगर वह काल नहीं करता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही की जाए। वहीं युवती की मां ने भी पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। उनका कहना था कि। आरोपी युवक ने उनकी बेटी के साथ गलत किया है। शादी का वादा करके आरोपी मुकर गया है। इसलिए उसके खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए। बन्नादेवी थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि युवती ने थाने आकर शिकायत की है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

स्काउट-गाइड शिविर और अंबेडकर जयंती का समारोह

सुल्तानपुर के शिव बाल विद्या मंदिर में दो कार्यक्रमों का आयोजन, सैकड़ों लोग शामिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जनपद के धनपतगंज शिक्षा क्षेत्र में स्थित शिव बाल विद्या मंदिर में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय में स्काउट और गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह तथा बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती एक साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की प्रबंधिका शिव देवी पांडे ने की। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। समारोह में मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। डॉ. सूरज विश्वास , हनुमान तिवारी और त्रिभुवन नारायण सिंह ने अपने विचार रखे। प्रधानाचार्य विवेक कुमार पाण्डेय के साथ स्काउट ट्रेनर वीर विक्रम सिंह, निखिल कुमार पाल और स्काउट मास्टर विजयपाल तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के सदस्य रीता मिश्रा, संतोष तिवारी, अन्नपूर्णिमा, विमलेश भारती, जया, विकास, ललिता, आंचल और देवीदीन मौजूद रहे। इसके अलावा सैकड़ों की संख्या में अभिभावक और क्षेत्रीय गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राम बहादुर मिश्रा ने किया, जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य विवेक कुमार पांडेय ने की।

नशे के खिलाफ कार्रवाई

28 वर्षीय युवक से 112 ग्राम चरस, तमंचा और कारतूस बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शिवरतनगंज क्षेत्र से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 112 ग्राम चरस, एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी तिलोई अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में शिवरतनगंज थाने की टीम ने 13 अप्रैल को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान कुलदीप तिवारी के रूप में हुई है। वह जुगराजपुर गांव का रहने वाला है। 28 वर्षीय कुलदीप को गांव के पास से ही गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानंद राय के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी से 12 बोर का तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

टैक्सी ड्राइवर से लूट

तीन बदमाशों ने ईको कार लूटी, सीसीटीवी में दिखी ग्वालियर एक्सप्रेस पर जाती हुई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, टैक्सी ड्राइवर से बदमाशों ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया है। फरह थाना क्षेत्र के झंडीपुर गांव में एक टैक्सी ड्राइवर से तीन बदमाशों ने ईको कार लूट ली। थाना मगोर्रा के गांव सैंह निवासी प्रवीन कुंतल रेलवे जंक्शन से टैक्सी चलाते हैं। रात करीब ढाई बजे तीन युवक उनके पास आए। उन्होंने झंडीपुर के लिए टैक्सी बुक की। रास्ते में गांव शाहपुर के पास बदमाशों ने लघुशंका के बहाने गाड़ी रुकवाई। जब चालक भी लघुशंका के लिए गया, तब बदमाश गाड़ी लेकर फरार हो गए। गाड़ी में चालक का मोबाइल फोन भी रखा था। काफी देर बाद एक राहगीर के मोबाइल से चालक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। फरह कस्बे में और ग्वालियर एक्सप्रेस पर गाड़ी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दी है। फरह थाना प्रभारी संजय पांडेय के अनुसार चालक की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। बदमाशों का हुलिया लेकर क्षेत्र के संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीम बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डी माहपे नवी मुंबई ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा
EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173
संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001
संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी